



पीएम मोदी ने चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन का किया उद्घाटन

हमारा राष्ट्र ही हमारी संस्कृति की जन्मभूमि है, यही राष्ट्र हमारे अस्तित्व की नींव है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली.ओपन सर्च

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने संतों के स्नेह और आशीर्वाद से प्राप्त गहरी आध्यात्मिक अनुभूति का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चिन्मय मिशन केवल एक संस्था नहीं, बल्कि एक अमर चेतना है, जिसकी स्थापना एक ऋषि ने की और जो दशकों के पवित्र संकल्पों से प्रेरित है।

इसी संदर्भ में उन्होंने इस सम्मेलन के नाम की सार्थकता को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आधुनिक तकनीक ने होलोबोट के माध्यम से श्रद्धेय गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद के साथ संवाद को संभव बनाकर इस कार्यक्रम को और भी भावनात्मक बना दिया।

इस अनुभव का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह उन्हें 33 साल पहले, 1993 में वखोदरा में गुरुदेव से हुई मुलाकात की यादों में ले गया। गुरुदेव की आत्मीयता, संवाद



विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका अहम : प्रधानमंत्री मोदी

मोदी ने कहा है कि युवाओं को देश की प्रगति से जोड़ना, समाज को बांटने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट करना और आत्मनिर्भरता के प्रति जागरूक करना जरूरी है। मोदी चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने चिन्मय मिशन से विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वामी चिन्मयानंद जी का मुख्य विचार युवाशक्ति के निर्माण के जरिए सशक्त भारत बनाना था। चिन्महाय मिशन के युवा कार्यकर्ताओं ने करीब 300 दिनों में 40 हजार किलोमीटर की यात्रा कर एक लाख से अधिक युवाओं से संपर्क किया है। उन्होंने कहा कि 2047 में देश की आजादी के 100 साल पूरे होंगे और इसी कालखंड में चिन्मय मिशन भी अपनी शताब्दी मनायेगा।

और आशीर्वाद को स्मरण करते हुए उन्हें ऐसा लगना, मानो वे एक बार फिर उनकी साक्षात् उपस्थिति में खड़े हों। उन्होंने इस भावपूर्ण श्रद्धांजलि के लिए मिशन के सदस्यों का हार्दिक आभार

व्यक्त किया और कहा कि यह उनके लिए बेहद भावनात्मक अनुभव है। स्वामी विवेकानंद के ऐतिहासिक संबोधन के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित विश्व धर्म

संसद के शताब्दी समारोह में स्वामी चिन्मयानंद को शिकागो आमंत्रित करने के लिए फरवरी-मार्च 1993 में की गई अपनी यात्रा को याद करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि

मोदी ने स्वतंत्रता के वास्तविक महत्व को रेखांकित करते हुए संस्कृत सुभाषितम् साझा किया

मोदी ने एक संस्कृत सुभाषितम् साझा किया जिसमें बताया गया है कि वास्तविक स्वतंत्रता का महत्व इसी में है कि व्यक्ति भय और पराधीनता से मुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ जीवन जी सके। प्रधानमंत्री ने एकस पद लिखा : 'यादवस्थावतन्त्रत्वं तावदीश्वरतो मरणम्, य एतत्समुपासीरस्ते मुहूर्तिन शुभापिः॥ जब तक मनुष्य स्वयं को स्वतंत्र नहीं समझता, तब तक वह अपने से अधिक प्रभुत्वशाली शक्ति के भय में जीता रहता है। इस विचार को स्वीकार करने वाले लोग भय और दुःख से घिरे रहते हैं तथा क्लिप्त हो जाते हैं। वास्तव में, स्वतंत्रता का महत्व इसी में है कि मनुष्य भय और पराधीनता से मुक्त होकर आत्मविश्वास के साथ जीवन जी सके।

कैसे गुरुदेव ने 3 अगस्त को सैन डिएगो में निधन होने से पहले इस आयोजन के लिए पूरे अमेरिका में लोगों को एकजुट करने का अथक प्रयास किया था।

राष्ट्रपति ने बस्तर दशहरा की और जनजातीय संस्कृति की सराहना की

ओपन सर्च. संवाददाता

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बस्तर की आराध्य देवी माँ दशेश्वरी की पावन भूमि जगदलपुर में आयोजित विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा उत्सव में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने बस्तर दशहरा की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना करते हुए इसे छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव, सामूहिक आस्था, सामाजिक समरसता और जनजातीय विरासत का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह अनुष्ठान उत्सव विभिन्न समुदायों को एक सूत्र में बांधने और पीढ़ियों से चली आ रही परंपराओं को संरक्षित रखने का उत्कृष्ट उदाहरण है।

राष्ट्रपति ने माँ दशेश्वरी को नमन करते हुए कहा कि बस्तर दशहरा जैसे विश्वप्रसिद्ध उत्सव में शामिल होना उनके लिए विशेष प्रसन्नता का विषय है। इस उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें विभिन्न गोत्रों, समुदायों और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता रहती है। रथ निर्माण से लेकर रथ खींचने, पूजा-अर्चना और विभिन्न अनुष्ठानों तक प्रत्येक समुदाय अपनी परंपरागत जिम्मेदारी का निर्वहन करता है। यह सामूहिक सहभागिता सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक निरंतरता का असाधारण उदाहरण है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने



प्रकृति संरक्षण जनजातीय जीवन दर्शन का अभिन्न हिस्सा

राष्ट्रपति ने जनजातीय समाज की प्रकृति पूजा की परंपरा की सराहना करते हुए कहा कि पेड़-पौधों, जंगलों और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति सम्मान इस समाज की विशिष्ट पहचान है। जनजातीय परंपराओं में पेड़-पौधों को केवल संसाधन नहीं, बल्कि जीवनदाता के रूप में देखा जाता है।

बस्तर दशहरा के अंतर्गत आयोजित होने वाले मुरिया दरबार की परंपरा को जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस परंपरा में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि एक साथ बैठकर जनसमस्याओं, आवश्यकताओं और सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं।

सामूहिक संवाद के माध्यम से निकाले गए समाधान समाज की खुशहाली और आपसी सहयोग का मार्ग प्रशस्त करते हैं। ऐसी परंपराएं भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करती हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों को नई प्रतिष्ठ प्रदान करती हैं। उन्होंने

कहा कि लगभग दो माह पूर्व राष्ट्रपति भवन में बस्तर के प्रतिनिधिमंडल से उनकी मुलाकात हुई थी।

इसमें बस्तर पंडुम के विजेताओं के साथ बस्तर के परगना मांडी और चालकी भी शामिल थे। बस्तर पंडुम जैसे आयोजन जनजातीय युवाओं को अपनी संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समाज में अपार प्रतिभा और संभावनाएं हैं। उचित अवसर, प्रोत्साहन और संसाधन उपलब्ध होने पर जनजातीय समाज के बेटे-बेटियां जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ा सकते हैं।

दिल्ली के कुछ स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, पुलिस ने चलाया तलाशी अभियान



नई दिल्ली.एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में फिर से स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी दी कि कुछ स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। सूचना के पुलिस टीम और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। शुरुआती जांच में अब तक कोई संदिग्ध वस्तु या प्रतिकूल तथ्य सामने नहीं आया है। फिलहाल, मामले की जांच जारी है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, रेहिंगी के केंद्रेश्वर पब्लिक स्कूल और मयूर विहार के सालवन पब्लिक स्कूल को भी धमकियां मिली हैं। सुबह करीब 9.37 और 9.57 पर फायर विभाग को सूचना दी गई थी। पुलिस ने बताया कि मयूर विहार के सालवन पब्लिक स्कूल को मिली

धमकी में 30 अक्टूबर को बम से उड़ाने की बात की गई है। इससे पहले, 12 अक्टूबर को दिल्ली से सटे नोएडा कई स्कूलों को ई-मेल के माध्यम से बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। इनमें सेक्टर-16 स्थित एपीजे स्कूल, स्टेप बाय स्टेप और डीपीएस जीबीएन समेत अन्य स्कूल शामिल थे। धमकी की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन अलर्ट हो गया। सुरक्षा के मद्देनजर संबंधित स्कूलों में तत्काल जांच अभियान शुरू किया गया। बम निरोधक दस्ते, ड्रॉग स्क्वाड, एंटी-सबोटाज चेकिंग टीम और फायर ब्रिगेड की टीमों को मौके पर भेजकर स्कूल परिसरों की सघन तलाशी ली गई। गौतमबुद्धनगर पुलिस के अनुसार, संबंधित थानों की पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए सुरक्षा एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित किया। बम निरोधक दस्ते और ड्रॉग स्क्वाड की मदद से स्कूलों के विभिन्न हिस्सों की जांच कराई गई। इसके साथ ही एंटी-सबोटाज चेकिंग टीम और फायर ब्रिगेड को भी सुरक्षा जांच में लगाया गया।

दिल्ली में बंगला साहिब गुरुद्वारे के पास एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली.एजेंसी

नई दिल्ली में बांग्ला साहिब गुरुद्वारे के पास कई वामपंथी दलों और छात्र नेताओं ने एक मार्च निकाला। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त जॉनेश कुमार को हटाने की मांग की और मतदाता सूची के 'विशेष सचन पुनरीक्षण' का विरोध किया। मध्य दिल्ली में मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' के खिलाफ निकाले गए एक मार्च के दौरान कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया गया।

ये प्रदर्शनकारी मतदाताओं के नाम कथित तौर पर हटाए जाने के विरोध में भारतीय चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर जा रहे थे। सीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव डी. राजा ने कहा कि आज एक आह्वान किया गया है। देखते हैं कि लोग कैसी प्रतिक्रिया देते हैं और यह किस तरह एक कड़ा संदेश पहुंचाता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त अपने पद पर नहीं बने रह सकते।



सीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव डी. राजा ने कहा कि आज एक आह्वान किया गया है। देखते हैं कि लोग कैसी प्रतिक्रिया देते हैं और यह किस तरह एक कड़ा संदेश पहुंचाता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त अपने पद पर नहीं बने रह सकते

रह सकते। उन्हें इस्तीफा देना होगा। 'पीपल ऑफ़ एसआईआर' विरोध प्रदर्शन के दौरान सीपीआई नेता एनी राजा ने कहा कि हम देश को केंद्र के उन कपटपूर्ण तरीकों से बचाने के लिए यहीं आए हैं, जिनका मकसद लोकतंत्र

अरुणाचल में चीन के साथ टकराव पर सच छिपा रही है सरकार, देश को दी जाए पूरी जानकारी : खरगे

नई दिल्ली.एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अरुणाचल प्रदेश में चीनी सेना के साथ भारतीय सैनिकों के टकराव की जानकारी छिपाने का आरोप लगाते हुए कहा है कि उन्हें देश को गुमराह करने की बजाय संसद तथा जनता को पूरा सच बताना चाहिए। खरगे ने शुक्रवार को यहां एक बयान में कहा कि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के महानिदेशक ने अरुणाचल प्रदेश में चीनी पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के साथ लगातार हो रहे टकराव की पुष्टि की है।

उन्होंने पूछा कि डेकलाम और गलवान के बाद क्या यह एक और गंभीर टकराव हो रहा है। उनका यह भी कहना था कि अगस्त में तत्काल के पास चीनी घुसपैठ की खबरें आई थीं और वाचा-दमाई में कोर कमांडर स्तर की वार्ता के 47 दिन बाद भी



टकराव जारी रहने की खबरें हैं। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न अंग है और इस मामले में देश को अंधेरे में नहीं रखा जाना चाहिए और सरकार को बताना चाहिए कि क्या भारत की राय करने की पहुंच इस क्षेत्र में प्रभावित हुई है। खरगे ने प्रधानमंत्री से चीन को बार-बार क्लीन चिट देना बंद करने और देश के सामने स्थिति स्पष्ट करने का आग्रह करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में जवाबदेही जरूरी है, न कि कूटनीतिक मुलाकातों और गले मिलना।

अमेरिका का साथ देने वाले देशों को माना जाएगा 'दुश्मन', ईरान की चेतावनी

तेहरान.एजेंसी

ईरान ने चेतावनी दी है कि यदि भविष्य में अमेरिका और ईरान के बीच फिर से सैन्य संघर्ष होता है, तो अमेरिका का समर्थन करने वाले किसी भी देश को तेहरान के खिलाफ शत्रुतापूर्ण कदम उठाने वाला माना जाएगा। ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के सदस्य फदा हुसैन मल्लिकी ने रूसी समाचार एजेंसी आरआईए नोवोस्ती को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि यदि सैन्य कार्रवाई दोबारा शुरू होती है तो ईरान यह पहचानने में सक्षम होगा कि कौन-कौन से श्रेणीय देश अमेरिकी सेना का समर्थन करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, ऐसी स्थिति में ईरान के फैसले केवल उन देशों में मौजूद सैन्य ठिकानों पर हमले तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन देशों को भी शत्रु देश की श्रेणी में रखा जा सकता है।

धामी ने 'नशे को ना, जिंदगी को हां' का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया

ओपन सर्च/ओ पी उनियाल

देहरादून। डॉ. बी.आर. अम्बेडकर ग्राउंड में ओएनजीसी ऑफिसर्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित 'ड्रग फ्री उत्तराखण्ड वॉकथॉन' को मुख्यमंत्री नरेश कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और नशामुक्त उत्तराखण्ड की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने युवाओं सहित सभी प्रतिभागियों से नशामुक्त उत्तराखण्ड के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशामुक्त उत्तराखण्ड वॉकथॉन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने और स्वस्थ एवं सशक्त उत्तराखण्ड के निर्माण का संदेश देने वाला महत्वपूर्ण अभियान है। इस प्रकार के आयोजनों से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जनजागरूकता बढ़ने के साथ ही युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उन्होंने इस पहल के लिए ओएनजीसी ऑफिसर्स



नशामुक्त उत्तराखण्ड वॉकथॉन केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने और स्वस्थ एवं सशक्त उत्तराखण्ड के निर्माण का संदेश देने वाला महत्वपूर्ण अभियान : सीएम धामी

एसोसिएशन के पदाधिकारियों, आयोजकों एवं विशेष रूप से देवेन्द्र सिंह बिष्ट की सराहना की। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य और भविष्य के साथ ही उसके परिवार और समाज को भी प्रभावित करता है। इसलिए युवाओं को नशे से दूर रखकर उनकी

ऊर्जा और प्रतिभा को सही दिशा देना हम सभी की जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा प्रदेश की सबसे बड़ी शक्ति हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं नशे से दूर रहने के साथ ही अपने साथियों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई केवल सरकार और पुलिस के प्रयासों से नहीं जीती जा सकती। इसके लिए अभिभावकों, शिक्षकों, सामाजिक संगठनों और समाज के प्रत्येक वर्ग को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश को नशामुक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। नशे के अवैध कारोबार में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई के साथ ही जनजागरूकता, नशामुक्ति, उपचार और पुनर्वास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि होने के साथ ही वीरों, तपस्वियों और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं की भूमि है।

भारत की सभ्यतागत विरासत, लोकतांत्रिक परंपराएं और तकनीकी क्षमताएं देश की विशिष्ट शक्ति हैं : उपराष्ट्रपति

उपराष्ट्रपति ने अनिल के. एंटनी की पुस्तक एडवांटेज इंडिया : रिशेपिंग द फ्यूचर फॉर एन इक्व्यूटेबल वर्ल्ड का किया विमोचन

नई दिल्ली.ओपन सर्च

उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने नई दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में अनिल के. एंटनी द्वारा लिखित पुस्तक एडवांटेज इंडिया:रिशेपिंग द फ्यूचर फॉर एन इक्व्यूटेबल वर्ल्ड का विमोचन किया। उपराष्ट्रपति ने पुस्तक के प्रकाशन पर लेखक अनिल के. एंटनी और रूपा पब्लिकेशंस को बधाई देते हुए कहा कि यह पुस्तक भारत के उल्लेखनीय बदलाव को दर्शाती है और तेजी से बदलती दुनिया में देश के सामने मौजूद अवसरों का विश्लेषण करती है।

उपराष्ट्रपति ने प्रौद्योगिकी, व्यवसाय और सार्वजनिक नीति के क्षेत्र में अपने अनुभवों के आधार पर एंटनी ने भारत की उपरती शक्तियों तथा अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में उसकी बढ़ती भूमिका का विश्लेषण किया है।



उपराष्ट्रपति ने भारत की विशिष्ट शक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की सभ्यतागत विरासत, लोकतांत्रिक परंपराएं, जनसांख्यिकीय लाभ, बढ़ती अर्थव्यवस्था, मजबूत संस्थाएं और विस्तारित तकनीकी क्षमताएं मिलकर भारत को एक विशिष्ट पहचान और बढ़त प्रदान करती हैं। उपराष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी के

नेतृत्व में भारत की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि 25 करोड़ से अधिक लोगों को अत्यधिक निर्धनता से बाहर निकाला गया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य सेवा और खाद्य सुरक्षा से जुड़ी पहल ने लाखों लोगों के जीवन में गरिमा और सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा दिया है। सी. पी.

उपराष्ट्रपति ने भारत की विशिष्ट शक्तियों का उल्लेख करते हुए कहा कि देश की सभ्यतागत विरासत, लोकतांत्रिक परंपराएं, जनसांख्यिकीय लाभ, बढ़ती अर्थव्यवस्था, मजबूत संस्थाएं और विस्तारित तकनीकी क्षमताएं मिलकर भारत को एक विशिष्ट पहचान और बढ़त प्रदान करती हैं

राधाकृष्णन ने समावेशी विकास के महत्व पर बल देते हुए कहा कि महिलाओं, युवाओं, किसानों और वंचित वर्गों का सशक्तीकरण भारत की प्रगति का प्रमुख आधार है। उन्होंने कहा कि तीन करोड़ से अधिक लखपति दीर्घियों का उभरना महिला-नेतृत्व वाले विकास की सफलता को दर्शाता है। उन्होंने नए भारतीय

प्रौद्योगिकी संस्थानों, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थानों, मेडिकल कॉलेजों और अन्य उच्च शिक्षण संस्थानों के माध्यम से शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य अवसरंचना के विस्तार का भी उल्लेख किया। साथ ही उन्होंने वंदे भारत रेलगाड़ियों, हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे स्टेशनों द्वारा यात्रा संपर्क सुविधा में हुए महत्वपूर्ण सुधारों को भी रेखांकित किया।

उपराष्ट्रपति ने भारत में प्रौद्योगिकी के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि कंप्यूटर के आमन के शुरुआती दौर में लोगों के मन में आश्चर्य था, लेकिन बाद में भारत वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की एक प्रमुख शक्ति के रूप में उभरा। उन्होंने कहा कि आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग जैसी उपरती प्रौद्योगिकियां भारत के सामने इसी प्रकार के नए अवसर प्रस्तुत कर रही हैं।

सम्पादकीय



विकसित भारत के निर्माण में हमारी भूमिका

भारत आज विकास के एक ऐसे महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है, जहाँ उसके सामने विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के साथ-साथ एक समृद्ध, आत्मनिर्भर, शिथित और समानतापूर्ण राष्ट्र बनने का लक्ष्य भी है। वर्ष 2०47 में स्वतंत्रता के शी वर्ष पूरे होने तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

विकसित भारत का अर्थ केवल ऊँची इमारतें, चौड़ी सड़कें, आधुनिक तकनीक और आर्थिक समृद्धि नहीं है। वास्तविक विकास वह है, जिसमें प्रत्येक नागरिक को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ, रोजगार के अवसर, सामाजिक सुरक्षा और सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार मिले। जब गाँवों में भी शहरों जैसी मूलभूत सुविधाएँ उपलब्ध होंगी, किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिलेगा और युवाओं को अपनी प्रतिभा के अनुरूप अवसर प्राप्त होंगे, तभी विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचेगा।

इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए शिक्षा, विज्ञान, तकनीक और कौशल विकास पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। युवाओं को केवल डिग्रीधारी नहीं, बल्कि कुशल, नवाचारी और आत्मनिर्भर बनाना होगा। कृषि को आधुनिक तकनीक से जोड़ना, छोटे उद्योगों को प्रोत्साहन देना, नए रोजगार सृजित करना तथा स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देना भी आवश्यक है। इसके साथ ही भ्रष्टाचार, बेरोजगारी, गरीबी और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियों का प्रभावी समाधान खोजना होगा।

विकसित भारत के निर्माण में पर्यावरण संरक्षण की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आर्थिक प्रगति तभी सार्थक होगी, जब प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों का संतुलन बना रहे। स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग, जल संरक्षण, वृक्षारोपण और स्वच्छता को जन-आंदोलन बनाना समय की आवश्यकता है। इसी प्रकार महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक भागीदारी सुनिश्चित किया बिना देश का सर्वांगीण विकास संभव नहीं है।

यह भी ध्यान रखना होगा कि राष्ट्र निर्माण केवल सरकारी योजनाओं और घोषणाओं से नहीं होता। इसके लिए नागरिकों में कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, ईमानदारी और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना आवश्यक है। प्रत्येक व्यक्ति अपने कार्य को पूरी निष्ठा से करे, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करे, कानून का पालन करे और जाति-धर्म के भेदभाव से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता को मजबूत बनाए, तो विकास की गति निश्चित रूप से व्यापक होगी। अंतंतः, विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब विकास के अवसर सभी को मिलें और प्रगति का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुँचे।

करंट कर्मचारियों को, झटका जनता को!

डॉ. प्रियंका सौरभ

लोकतंत्र में सरकार का सबसे बड़ा दायित्व जनता को बुनियादी सुविधाएँ उपलब्ध कराना है। बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और संचार जैसी सेवाएँ किसी भी सभ्य समाज की आधारशिला होती हैं। इन सेवाओं की गुणवत्ता से ही प्रशासन की कार्यक्षमता और जवाबदेही का पता चलता है। लेकिन जब सरकारी व्यवस्था जनता की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतरती, तो लोग बेहतर विकल्प तलाशने लगते हैं। ऐसे में निजी क्षेत्र को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। सवाल यह है कि जब सरकारी सेवाओं में सुधार की माँग उठती है और निजी विकल्प सामने आते हैं, तो बहस का केंद्र जनता को मिलने वाली सुविधा के बजाय निजीकरण का विरोध ही क्यों बन जाता है?

भारत का दूरसंचार क्षेत्र इसका एक प्रमुख उदाहरण है। कभी बीएसएनएल देश की संचार व्यवस्था का प्रमुख आधार था, लेकिन बदलती तकनीक, निवेश, प्रतिस्पर्धा और सेवाओं की गुणवत्ता के बीच जियो और एयरटेल जैसी निजी कंपनियों ने बाजार में अपनी मजबूत जगह बनाई। डाक विभाग के सामने निजी कूरियर कंपनियों का विस्तार हुआ। सरकारी विद्यालयों की सुविधाओं और शिक्षा की गुणवत्ता को लेकर उठने वाले सवालों के बीच निजी स्कूलों की लोकप्रियता बढ़ी। सरकारी अस्पतालों में लंबी कतारों और संसाधनों की कमी से परेशान अनेक लोगों ने निजी अस्पतालों का रुख किया।

इन उदाहरणों का अर्थ यह नहीं है कि सरकारी संस्थान अप्रासंगिक हो गए हैं या निजी क्षेत्र हमेशा बेहतर सेवाएँ देता है। सरकारी संस्थानों ने दूर-दराज के क्षेत्रों तक सुविधाएँ पहुँचाने और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को सहारा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। दूसरी ओर, निजी क्षेत्र में महँगी सेवाओं, मुनाफे की प्राथमिकता और उपभोक्ताओं की आर्थिक क्षमता के आधार पर सुविधाओं में अंतर जैसी चुनौतियाँ भी हैं। इसलिए असली सवाल सरकारी बनाम निजी का नहीं, बल्कि बेहतर, सुलभ, किफायती और जवाबदेह सेवाओं का है।

यही कसौटी बिजली व्यवस्था पर भी लागू होती है। आम नागरिक के लिए बिजली कोई विलासिता नहीं, बल्कि जीवन की अनिवार्य आवश्यकता है। बच्चों की पढ़ाई, किसानों की सिंचाई, छोटे दुकानदारों का कारोबार, उद्योगों का उत्पादन और अस्पतालों में मरीजों की देखभाल—सब कुछ किसी न किसी रूप में बिजली पर निर्भर है। बिजली की आपूर्ति बाधित होने का अर्थ केवल घर में अँधेरा होना नहीं है। इससे कामकाज रुकता है, आर्थिक नुकसान होता है और सामान्य जनजीवन प्रभावित होता है।

उपभोक्ता हर महीने बिजली का बिल भरता है। बदले में उसकी अपेक्षा होती है कि उस निर्धारित दरों पर भरोसेमंद आपूर्ति मिले। उसे इस बात से कम मालब है कि बिजली की व्यवस्था सरकारी हाथों में है या निजी क्षेत्र के पास। उसके लिए महत्वपूर्ण यह है कि घर में पंखा चले, पानी की मोटर काम करे, बच्चे पढ़ सकें और कारोबार बिना अनावश्यक रुकावट के चलता रहे। जब बिल न भरने पर उपभोक्ता को कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है, तो सेवा बाधित होने पर संबंधित व्यवस्था की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

हरियाणा सहित देश के कई हिस्सों में बिजली क्षेत्र के निजीकरण और कर्मचारी संगठनों की माँगों को लेकर बहस होती रही है। निजीकरण के समर्थक बेहतर प्रबंधन, निवेश, तकनीकी सुधार और कार्यकुशलता की उम्मीद करते हैं। वहीं कर्मचारी संगठनों को आशंका रहती है कि निजीकरण से रोजगार की सुरक्षा, सेवा शतों, कर्मचारियों के अधिकारों और उपभोक्ताओं के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

प्रेरणादायक विचार

व्यक्ति जब गलती करता है तो वह सामने वाले के सामने परछाताप करना चाहता है और फिर वह कोशिश करता है। कि सब चीज पहले जैसा हो जाए ऐसा होना संभव है क्योंकि उसे बात से सामने वाले व्यक्ति के मन को बहुत ठेस पहुंचती है उसका मान सम्मान करता है भला वह व्यक्ति कैसे कुछ क्षण बाद किसी की माफी से उन सब चीजों को भूलकर कैसे उनके साथ मिलकर रह सकता है।



कारिशमा गुज्जर (खामी)

स्वामी, प्रकाशक, मुक्त व संपादक किशु कुमार द्वारा आदित्य वाफिक्स, प्रताप नवत 5, बलुट्ट शाह जगज् मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-1१00०2 से मुद्रित कटाकट 1536/1०8 गणेशपुरा सेड, ग्रीनगर दिल्ली-11०035 से प्रकाशित।

अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से संपादक का समतन होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा।

विचार

तेल के खेल में मोहरा बना भारत

सर्वमित्रा सुरजन

ट्रंप ने इस बीच एक समझौता रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ भी किया है, जिसके तहत रूसी डीजल को वैश्विक बाजार में उतारा जाएगा। अब तक तो भारत को रूस से तेल खरीदने पर टैरिफ थोपने की धमकी दी जा रही थी, लेकिन अब ट्रंप ने भी अपना फायदा देखते हुए बात

पलट दी है। पिछले सप्ताह ही भारत को भी ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने वाली धमकी से मुक्त किया था।

वैश्विक राजनीति पर दबदबा उसी का होता है, जो अर्थव्यवस्था को अपनी मर्जी से नचाना जानता है। एक समय था जब ग्रेट ब्रिटेन अपनी औद्योगिक क्रांति के कारण एक के बाद एक देशों को अपना गुलाम बनाता गया और औपनिवेशिक साम्राज्य स्थापित कर खुद की शक्ति और संपत्ति में अकूत इजाफा किया। आज ऐसा ही खेल अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप खेल रहे हैं, फर्क यही है कि भारत को गुलाम बनाए बिना उसे मोहरें की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। इन दिनों अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत आए हुए हैं। बुधवार को रुबियो गुजरात के जामनगर पहुंचे, जहां मुकेश अंबानी का बनाया तेल शोधन संयंत्र है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के स्वामित्व वाली दुनिया की सबसे बड़ी यह तेल रिफाइनरी रूस और वेनेजुएला समेत कई देशों से कच्चा तेल लेती है और उसे रिफाइन करके तैयार ईंधन वैश्विक बाजारों में भेजती है। पाटक जानते हैं कि वेनेजुएला में राष्ट्रपति निकोलस मद्रुरो का आधा रात में अगहरण कर अमेरिका ने उन्हें अपनी जेल में रखा है और वेनेजुएला में अपने समर्थन से अंतरिम सरकार बना दी है।

यानी वेनेजुएला के तेल के खजाने पर अब अमेरिका का अधिकार है। इधर अमेरिका के ही छेड़े युद्ध के बाद ईरान ने जब होमैज जलडमरूमध्य मार्ग बंद कर दिया तो दुनिया भर में ईंधन की आपूर्ति पर इसका असर पड़ा और तेल की कीमतों में एकदम से तेजी आई। भारत में कितने दिनों तक लोग खाली सिलेंडरों के साथ सड़कों पर थे, यह तो कोई भूला नहीं है।

सचिन कुमार गौतम

‘रिजीम चेंज’ यानी सत्ता परिवर्तन का शब्द इस समय मोदी सरकार को बुरी तरह डरा रहा है। वैसे इसे रिजीम चेंज कहें, सत्ता परिवर्तन कहें, ‘वोट चोर’ का नारा लगाएं या ‘गद्दी छोड़ें’ की मांग उठाएँ-लोकतंत्र में ये जुगलपे गुनाह नहीं हैं। बल्कि ये लोकतंत्र की बुनियादी शर्तें हैं। जनता ही तय करती है कि शासन करने का हक किसे दिया जाए और जब सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी न उतरे, तो उसे कब उतारा जाए। यह परिवर्तन जब तक अनैतिक तरीकों, गैरकानूनी कामों या हिंसा के बिना हो, तब तक उसे गलत नहीं कहा जा सकता।

लेकिन मोदी सरकार में जनता के विरोध को देशविरोध की तरह पेश किया जा रहा है। पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ‘रिजीम चेंज’ की बात पर विपक्ष को धेरने की कोशिश की। इसके बाद आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी अपने विजयादशमी के भाषण में यही चिंता जताई और आंदोलन को गलत ठहराने की कोशिश की। इससे पहले संसदीय कार्य मंत्री किरण रिंजिजू ने बांग्लादेश और फ्रांस का नाम लेकर भारत में उठ रहे विरोध-प्रदर्शनों को गलत साबित करने की कोशिश की थी।

विरोध देशविरोध नहीं है

लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत यही है कि वहां सत्ता किसी व्यक्ति, परिवार या पार्टी की निजी संपत्ति नहीं होती। सत्ता जनता से मिलती है और

और जनता के पास ही उसे बदलने का अधिकार रहता है। चुनाव इस अधिकार का सबसे शांतिपूर्ण और संस्थागत रूप है। लेकिन चुनाव के बाद भी जब जनता को लगता है कि सरकार उसके हितों के खिलाफ काम कर रही है, तो विरोध, प्रदर्शन, आंदोलन और सत्याग्रह उसका संवैधानिक और नैतिक अधिकार बन जाते हैं। ‘रिजीम चेंज’ का मतलब जरूरी नहीं कि हिंसा, तख्तापलट या गैरकानूनी तरीके से सरकार गिराना हो। लोकतंत्र में रिजीम चेंज का सबसे सही रास्ता वोट है। जनता अगले चुनाव में सरकार को बदल सकती है। इसके अलावा संसद, अदालत, प्रेस, सामाजिक संगठन और सड़कें-ये सभी लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के माध्यम हैं।

यूरोप की तुलना कितनी उचित?

सत्ताधारी पक्ष विपक्ष के आंदोलनों को फ्रांस, इटली और अल्बानिया जैसे देशों की हिंसक घटनाओं से जोड़कर पेश कर रहा है। यह तुलना जानबूझकर भ्रामक है। सच यह है कि यूरोप के कई देशों में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और शिक्षा व्यवस्था की खामियों को लेकर आंदोलन चल रहे हैं। फ्रांस, इटली, बेल्जियम, स्पेन, पुर्तगाल, अल्बानिया, जर्मनी, ऑस्ट्रिया और ग्रीस में अलग-अलग विरोध देखे जा रहे हैं। इनमें फ्रांस, इटली और अल्बानिया की स्थिति विशेष रूप से तनावपूर्ण बताई जा रही है। अल्बानिया में सरकार को अपने कार्रवाई न करने के विरोध में सुप्रीम कोर्ट में

आग लगाने जैसी घटना हुई। फ्रांस में स्कूलों की बदहाली, योग्य शिक्षकों की कमी और शिक्षा बजट में कटौती के खिलाफ छात्र व शिक्षक सड़कों पर उतरे। जर्मनी में युवा अनिवार्य सैन्य सेवा से जुड़ी योजनाओं और नीतियों का विरोध कर रहे हैं। इटली के मिलान सहित कई शहरों में प्रदर्शनकारियों ने हिंसक रूप भी लिया। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने इन हिंसक हकतों को अराजनीतिक उपद्रव और अराजकता कहा।

जिन देशों में सार्वजनिक संपत्ति तोड़ी जा रही है, पुलिस और सुरक्षा बलों पर हमले हो रहे हैं, वहां सरकारें इसे उपद्रव कहें तो समझा जा सकता है। लेकिन भारत की स्थिति इसके उलट है। यहां विपक्ष और जनता बार-बार शांतिपूर्ण, अहिंसक और लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात कहने की कोशिश कर रही है। ऐसे में विदेशी हिंसा का हवाला देकर घरेलू विरोध को बदनाम करना गंभीर राजनीतिक चाल है।

जंतर-मंतर और पुलिस कार्रवाई

पिछले जुलाई में जंतर-मंतर पर हुई हिंसा को अलग रख दें, तो भी अक्टूबर में हुए विरोध प्रदर्शनों पर सवाल खड़े हैं। दिल्ली पुलिस पर आरोप है कि उसने न केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों पर बल का इस्तेमाल किया, बल्कि उन्हें प्रताड़ित भी किया। इसके बावजूद भारतीय जनता जिस हिम्मत, धैर्य और सहनशक्ति से शांति व अहिंसा को अपने प्रदर्शन का हिस्सा बनाए हुए है, वह सराहनीय

है। प्रमाण-आधारित दृष्टिकोण दृष्टिकोणों और बहसों से विकसित हुआ है। औपनिवेशिक इतिहासकारों ने भारतीय अतीत को हिंदू, मुस्लिम और ब्रिटिश कालखंडों में बांटेकर धर्म को इतिहास की व्याख्या का प्रमुख आधार बनाया। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान राष्ट्रीय चेतना से प्रेरित इतिहासकारों ने इस दृष्टिकोण का प्रतिवाद किया और भारतीय अतीत को व्यापक सामाजिक-सांस्कृतिक संदर्भों में समझने का प्रयास किया। बाद के दौर में धर्मनिरपेक्ष और वामपंथी दृष्टिकोणों से प्रेरित इतिहासकारों ने जाति, वर्ग, उत्पादन संबंधों, धार्मिक संस्थाओं और सांस्कृतिक दृष्टिकोण, लोकतांत्रिक मूल्यों और स्वतंत्र इतिहास की सामाजिक और आर्थिक संरचनाओं का विश्लेषण किया।

रिहास की विश्वसनीयता उसके प्रमाणों और स्रोतों की प्रकृति पर निर्भर करती है। अभिलेख, सिक्के, स्थापत्य, यात्रियों के वृत्तांत, साहित्यिक रचनाएं और धार्मिक ग्रंथ अलग-अलग प्रकार की जानकारी देते हैं।

है। सरकार जनता के इस विवेक और संयम का लगातार अपमान कर रही है। जनता बार-बार यह साबित कर रही है कि यह गांधी का देश बेकार का नहीं है। आज गांधी भी अगर वोट चोरी के खिलाफ आवाज उठाते, तो संभव है कि उन्हें भी सलाखों के पीछे डाला जाता या उन पर लाठियां बरसाई जातीं। यह तुलना अतिशयोक्ति नहीं है; यह उस माहौल का संकेत है, जहां हर विरोध को साजिश और हर सवाल को षड़यंत्र कहा जाने लगा है।

विपक्ष की मांगें और सरकार की जवाबदेही

यह सही है कि विपक्ष सड़कों पर उतरा और उसके आह्वान पर जनता भी सड़क पर आई। इस समय मुख्य मांग यही है कि जिन लोगों ने वोटों की चोरी या चुनाव धांधली की है, उन्हें सत्ता में बैठने का नैतिक अधिकार नहीं है। अगर सरकार को इस आरोप से एतराज है, तो उसे आरोप लगाने वालों को कठगरे में खड़ा करने के बजाय सबूत और जांच से अपनी पारदर्शिता साबित करनी चाहिए। इसके लिए पहला कदम यह हो सकता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटया जाए। दूसरा, एसआईआर यानी विशेष गहन पुनरीक्षण में उठ रहे गंभीर सवालों का स्पष्ट और सार्वजनिक जवाब दिया जाए। तीसरा, मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए पुरानी व्यवस्था बहाल की जाए, जिसमें प्रधानमंत्री और नेता प्रतिपक्ष के अलावा देश के मुख्य

के उदय जैसे विषय पुरानी पुस्तक की तुलना में हट गए हैं। भारतीय इतिहास को अधिक स्थान देना अपने-आप में अनुचित नहीं, लेकिन विश्व इतिहास की इन महत्वपूर्ण घटनाओं को हटाने से विद्यार्थियों की ऐतिहासिक तथ्य नहीं माना जा सकता। इसी तरह, पर्दा और घूँघट को केवल इस्लामी आक्रमणों का परिणाम मानना भी सरलीकरण होगा; इनके विकास को व्यापक सामाजिक और ऐतिहासिक संदर्भों में समझना चाहिए। परंपरा का सम्मान करने और उसके दावों की प्रमाणों के आधार पर जांच करने में कोई विरोध नहीं है।

यही प्रमाण-आधारित दृष्टिकोण मध्यकालीन इतिहास पर भी लागू होना चाहिए। कक्षा नौ की नई सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में राजपूतों, अहोमों, मराठों, सिखों और जाटों सहित विभिन्न क्षेत्रीय शक्तियों के प्रतिरोध को प्रमुखता देना उचित है, विशेषकर यदि पहले उन्हें पर्याप्त स्थान नहीं मिला। लेकिन इतिहास को केवल आक्रमणों और युद्धों तक सीमित करने के बजाय उनके राजनीतिक-आर्थिक कारणों, शासकों के उद्देश्यों तथा उस दौर के सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को भी समझना आवश्यक है। नई सामाजिक विज्ञान पुस्तक में भारतीय मध्यकालीन इतिहास को अधिक स्थान मिला है, जबकि फ्रांसीसी और रूसी क्रांतियों, यूरोप में समाजवाद तथा नाजीवाद

मंगलवार को मुंबई में पत्रकारों से कहा कि भारत एक ‘रिफाइनिंग सुपरपावर’ है और बाजार पर पड़ रहे दबाव को कम करने में मदद कर सकता है। हमें रिफाइनिंग सुपरपावर बता कर अमेरिका अपना स्वार्थ सिद्ध कर रहा है। मोदी इस बात को अच्छे से समझते हैं, लेकिन अंबानी और ट्रंप से अपनी नजदीकियों को वे ज्यादा महत्व देते हैं।

वैसे ट्रंप ने इस बीच एक समझौता रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ भी किया है, जिसके तहत रूसी डीजल को वैश्विक बाजार में उतारा जाएगा। अब तक तो भारत को रूस से तेल खरीदने पर टैरिफ थोपने की धमकी दी जा रही थी, लेकिन अब ट्रंप ने भी अपना फायदा देखते हुए बात पलट दी है। पिछले सप्ताह ही भारत को भी ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगाने वाली धमकी से मुक्त किया है। मोदी इसे अपनी बड़ी उपलब्धि बता सकते हैं, लेकिन असल में ट्रंप बार-बार भारत के सम्मान के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। क्योंकि एक शब्द नहीं कह रहे हैं। गौरतलब है कि 2025 में जब मार्को रुबियो केवल सीनेटर थे तो उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले

पाकिस्तान की अहमियत बताई और देशभक्ति का ढोल पीटने वाले संधी और दक्षिणपंथी लोग इस पर एक शब्द नहीं कह रहे हैं। गौरतलब है कि 2025 में जब मार्को रुबियो केवल सीनेटर थे तो उन्होंने कहा था कि अगर पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देता है, तो वे पाकिस्तान को दी जाने वाली अमेरिकी सुरक्षा सहायता में कटौती के लिए एक बिल पेश करेंगे। इस बयान पर उनसे मुंबई में सवाल किया गया कि क्या अब आपका रुख बदला है? क्या इस नीति में कोई बदलाव हुआ है?’ तो रुबियो ने कहा, ‘हम दुनिया में कहीं भी होने वाले आतंकवाद के खिलाफ हैं। लेकिन अब मैं सीनेटर नहीं, विदेश मंत्री हूं। मुझे अमेरिका की विदेश नीति का संचालन करना है।

रिजीम चेंज गुनाह नहीं, लोकतंत्र की जरूरत है

न्यायाधीश भी चयन समिति में शामिल हों। चौथा, मुख्य चुनाव आयुक्त को मिलने वाले आजीवन कानूनी संरक्षण का प्रावधान समाप्त किया जाए। अगर मोदी सरकार ये कदम उठा ले, तो विपक्ष को आंदोलन करने की जरूरत ही नहीं पड़ेगी। एसआईआर की निष्पक्ष जांच होगी तो दूध का दूध और पानी का पानी हो जाएगा। लेकिन जांच और पारदर्शिता की जगह विपक्ष को ‘अलोकतांत्रिक’ कहकर बदनाम किया जा रहा है। यही सरकार की सबसे बड़ी कमजोरी बन रही है।

संसद में जवाब क्यों नहीं?

पिछले जुलाई में जंतर-मंतर की हिंसा पर विपक्ष ने लोकतांत्रिक तरीके से ही मांग की थी कि गृहमंत्री सदन में जवाब दें। लेकिन पूरे मानसून सत्र में अमित शाह केवल आखिरी दिन लोकसभा में आए। वेद मातरम् सुनकर वे चले गए, लेकिन जनता के सवालों का जवाब नहीं दिया। जुलाई से अक्टूबर आ गया, लेकिन यह सवाल अब भी खुला है कि पैलेट गन और एके-47 किसके आदेश पर चली। अब नए सवाल भी जुड़ गए हैं। प्रदर्शन का लोकतांत्रिक अधिकार मोदी सरकार क्यों कुचल रही है? निहत्थे लोगों पर पुलिस लाठियां क्यों बरसा रही हैं? शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को प्रताड़ित क्यों किया जा रहा है? अमित शाह और नरेंद्र मोदी अगर संसद में आकर इन सवालों का जवाब दे दें, तो विपक्ष और सामाजिक संगठनों को सड़क पर उतरने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

और किसान-मजदूर संघर्षों को समझे बिना इसकी कसौटी अधूरी रहती है। गांधी, नेहरू, सुभाषचंद्र बोस, भगत सिंह और सरदार पटेल लेकिन विश्व इतिहास की इन महत्वपूर्ण घटनाओं को हटाने से विद्यार्थियों की ऐतिहासिक समझ कितनी व्यापक होगी, इस पर विचार आवश्यक है।

मुगल शासकों और राजपूतों के संबंधों में संघर्ष और गठबंधन, दोनों देखने को मिलते हैं। अनेक राजपूत शासक मुगल प्रशासन और सेना में शामिल हुए, जबकि कुछ ने प्रतिरोध किया। विभिन्न मुस्लिम शासकों की नीतियां भी एक जैसी नहीं थीं और हिंदू शासकों के बीच भी सत्ता तथा संसाधनों के लिए संघर्ष होते थे। इसलिए किसी शासक के राजनीतिक निर्णयों को केवल उसकी धार्मिक पहचान से नहीं समझा जा सकता। धार्मिक स्थलों को हटाने, संरक्षण, जबरन धर्मांतरण और धार्मिक भेदभाव जैसी घटनाओं का उल्लेख प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए। हिंसा को छिपाना और सहयोग व सहिष्णुता की उपेक्षा करना, दोनों अनुचित हैं। कुछ शासकों के कृत्यों के आधार पर पूरे समुदाय या सदस्यों के इतिहास को दोषी ठहराना उतना ही अवैज्ञानिक है, जितना असुविधाजनक तथ्यों को दबाना। स्वतंत्रता आंदोलन को भी व्यापक दृष्टि से समझना आवश्यक है। औपनिवेशिक अर्थव्यवस्था, भूमि-राजस्व व्यवस्था, उद्योगों पर प्रभाव, शिक्षा, प्रेस, सामाजिक सुधारों

संपादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886

मोबाइल : 9210092542 फ़ोन :- ०11-46696546

E-mail : opensearchdelhi@gmail.com

गयाजी में दारोगा पुत्र हत्याकांड के 2 आरोपी मुठभेड़ में घायल गयाजी (एजेंसी)

बिहार के गयाजी जिले में दारोगा के बेटे यनू सिंह हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मुफर्रिसल थाना क्षेत्र के भिक्षा गांव में गुरुवार की देर रात करीब दो बजे पुलिस और आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस दौरान हत्याकांड के दो आरोपी श्याम बिहारी और गौरव उर्फ काला के पैर में गोली लगी। दोनों घायलों को इलाज के लिए अनुग्रह नारायण माधव मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मुफर्रिसल थानाध्यक्ष देवराज के अनुसार, पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ अपराधी गांव के आहर के पास जुट हुए हैं। इसी सूचना के आधार पर पुलिस वहां पहुंची थी। पुलिस की कार्रवाई के दौरान घटनास्थल से एक पिस्तौल, एक कट्टा और कुछ गोली बरामद की गई है। उन्होंने बताया कि आरोपी श्याम बिहारी का अपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस हत्याकांड के बाद से ही आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही थी।

विसर्जन शोभायात्रा के दौरान फायरिंग, बीच-बचाव करने पहुंचे युवक को मारी गोली



दानापुर (एजेंसी)

बिहार के दानापुर में विसर्जन शोभायात्रा देखने के दौरान दो पक्षों के बीच हुए विवाद में बीच-बचाव करना एक युवक को भारी पड़ गया। रजिस्ट्री कार्यालय के पास विवाद शांत करने पहुंचे सागर कुमार को एक बदमाश ने गोली मारकर घायल कर दिया। गोली उसके बाएं कंधे को आर-पार निकल गई। गंभीर हालत में उसे अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए पटना मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (पीएमसीएच) रेफर कर दिया गया। घटना के बाद इलाके में

गौशालाओं में गोवंश की मौत पर केशव मोर्य सख्त, 3 बीडीओ पर कार्रवाई, कासगंज के अधिकारी निलंबित

लखनऊ (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश में गौशालाओं में गोवंश की मौत और देखभाल में लापरवाही के मामलों को लेकर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मोर्य ने सख्त रुख अपनाया है। बदर्यू में दो खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) के खिलाफ अनुशासनिक कार्रवाई शुरू की गई है, जबकि कासगंज के पटियाली विकास खंड के बीडीओ संजीव कुमार को एक कथित वीडियो प्रकरण में प्रथमदृष्ट्या गंभीर अनियमितता के संकेत मिलने के बाद निलंबित कर दिया गया है।

उपमुख्यमंत्री ने प्रदेशभर की गौशालाओं की नियमित निगरानी और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए हैं। उपमुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बदर्यू के प्याऊ विकास खंड की अभिगांव गौशाला में 20 गोवंश की मौत के मामले में बीडीओ राकेश कुमार निराला को प्रथमदृष्ट्या जिम्मेदार पाया गया है। गौशाला की



निर्धारित क्षमता 100 गोवंश की थी, जबकि वहां 428 गोवंश संरक्षित पाए गए। जिले में पहले से रेड अलर्ट जारी होने के बावजूद अस्थायी व्यवस्था और अतिरिक्त शेड की व्यवस्था नहीं कराए जाने को गंभीर लापरवाही माना गया है। इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक (अनुशासन एवं अपील) नियमावली, 1999 के नियम-7 के तहत अनुशासनिक कार्रवाई शुरू की गई है। संयुक्त विकास

आयुक्त, बरेली मंडल को जांच अधिकारी नामित किया गया है।

इसी तरह, बदर्यू के सालापुर विकास खंड के बीडीओ नितिन कुमार के खिलाफ गौशाला में 14 गोवंश की मौत और लापरवाही के मामले में अनुशासनिक कार्रवाई शुरू की गई है। वहीं, कासगंज जिले के पटियाली विकास खंड के बीडीओ संजीव कुमार से संबंधित एक कथित वीडियो सामने आने के बाद

फर्जी टेलीकॉम एक्सचेंज : लोन वसूली के नाम पर धमकियां, 31 सदिग्ध नंबरों की शिकायत, साइबर धोखाधड़ी का बड़ा मामला

आगरा (एजेंसी)

लोगों को साइबर धोखाधड़ी और फर्जी कॉल से बचाने के लिए दूरसंचार विभाग ने चक्षु पोर्टल की सुविधा दी है। इस पर एक महीने में 31 सदिग्ध नंबरों की शिकायत मिली। ऋण लेने वाले और उनके रिश्तेदारों को धमकाया जा रहा था। इस बारे में विभाग की निदेशक खुशबू शर्मा ने पुलिस को अवगत कराया।

पुलिस ने छानबीन की। इस पोर्टल पर 30 दिव के अंदर बैंक धोखाधड़ी, ई वॉलेट, सिम काई, गैस एवं बिजली कनेक्शन, केवाईसी सहित अन्य साइबर अपराध की शिकायत की जा सकती है। पुलिस ने बताया कि वीवी एंटरप्राइजेज के नाम से बनाई गई फर्म सहायपुर की महिला के नाम पर पंजीकृत है। उसका देवर फर्म संचालित करता है। कई खातों की जानकारी भी मिली है। भारतीय फाइनेंस कंपनियों से अनुबंध की बात भेनजर ने कही है। उन्हें दस्तावेज

उपमुख्यमंत्री ने प्रदेशभर की गौशालाओं की नियमित निगरानी और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए हैं। उपमुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से शुक्रवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, बदर्यू के न्याऊ विकास खंड की अभिगांव गौशाला में 20 गोवंश की मौत के मामले में बीडीओ राकेश कुमार निराला को प्रथमदृष्ट्या जिम्मेदार पाया गया है। गौशाला की निर्धारित क्षमता 100 गोवंश की थी, जबकि वहां 428 गोवंश संरक्षित पाए गए

उपमुख्यमंत्री ने स्वतः संज्ञान लिया। विज्ञप्ति के मुताबिक, मामले में प्रथमदृष्ट्या गंभीर अनियमितता के संकेत मिलने पर उन्हें निलंबित कर मुख्यालय से संबद्ध कर दिया गया है।

केशव प्रसाद मोर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के प्रमुख सचिव को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश की सभी गौशालाओं की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। जहां भी अव्यवस्था, अनियमितता, संसाधनों की कमी या गोवंश की देखभाल में लापरवाही सामने आए, वहां संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि गोवंश

संरक्षण सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। गौशालाओं में चारा, पानी, पर्याप्त शेड, स्वच्छता और पशुओं की समुचित देखभाल सुनिश्चित करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि लापरवाही, अनियमितता, भ्रष्टाचार या नियमों के विरुद्ध काम करने वाले अधिकारियों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को गौशालाओं का नियमित स्थलीय निरीक्षण करने, कमियों को तत्काल दूर कराने और गोवंश के संरक्षण में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होने देने के निर्देश दिए।

बिहार : मारपीट के बाद गोलीबारी, 1 व्यक्ति घायल, घटनास्थल से तीन खोखे बरामद

पटना (एजेंसी)

बिहार की राजधानी पटना सिटी में गोलीबारी की घटनाएं धमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला आलमगंज थाना क्षेत्र के बड़ी पटन देवी मंदिर के पास स्थित पटन देवी कॉलोनी का है, जहां मारपीट के बाद एक व्यक्ति को गोली मार दी गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए।

गोली लगने से घायल व्यक्ति को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और अन्य पहलुओं की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार, पटन देवी कॉलोनी में किसी बात को लेकर मारपीट हुई थी। इसी दौरान एक व्यक्ति को गोली मारी गई। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। गोली चलने की आवाज सुनकर इलाके में अफरा-तफरी मच

नोएडा में एमएलसी चुनाव के दौरान भाजपा और सपा कार्यकर्ताओं में नोकझोंक

नोएडा (एजेंसी)

नोएडा में एमएलसी चुनाव के दौरान शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी और समाजवादी पार्टी के नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के बीच नोकझोंक का मामला सामने आया है। चुनाव के दौरान बस्ता लगाने को लेकर दोनों पक्षों के कार्यकर्ता आमने-सामने आ गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जिससे मौके पर कुछ देर के लिए तनावपूर्ण स्थिति बन गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को समझाकर मामले को शांत कराया। यह पूरा मामला नोएडा के थाना फेस-2 क्षेत्र स्थित पंचशील इंटर कॉलेज का बताया जा रहा है। यहां एमएलसी चुनाव के दौरान भाजपा और सपा से जुड़े नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के बीच बस्ता लगाने को लेकर विवाद हुआ। चुनाव के दौरान अपने-अपने प्रत्याशियों के समर्थन में बस्ता लगाने को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी होने लगी। विवाद बढ़ने पर मौके पर मौजूद लोगों के बीच हलचल मच गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस सक्रिय हुई और मौके पर पहुंचकर



स्थिति को संभाला। पुलिस ने दोनों पक्षों के लोगों से बातचीत कर उन्हें शांत कराया। इसके बाद मौके पर स्थिति सामान्य करने का प्रयास किया गया। किसी भी तरह की अग्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस ने सतर्कता बरती। मामले की गंभीरता को देखते हुए एडीसीपी सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर मौजूद रहे।

अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पुलिसकर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्षों के बीच हुए विवाद को शांत कराया गया। एमएलसी चुनाव के दौरान इस तरह की नोकझोंक के बाद चुनाव केंद्र के आसपास सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सतर्कता बढ़ाई गई। चुनाव प्रक्रिया के दौरान किसी तरह का विवाद या अव्यवस्था न हो, इसके लिए पुलिसकर्मों मौके पर निगरानी करते रहे।



गई। घायल व्यक्ति को तत्काल इलाज के लिए नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एनएमसीएच) में भर्ती कराया गया। **गंभीर हालत में निजी अस्पताल में कराया गया भर्ती** एनएमसीएच में घायल व्यक्ति का उपचार शुरू किया गया। हालांकि, उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए परिजन बेहतर इलाज के लिए उसे पटना के एक निजी अस्पताल ले गए। फिलहाल घायल का निजी अस्पताल में इलाज जारी है। **घटनास्थल से तीन खोखे बरामद, एक व्यक्ति गिरफ्तार** घटना की सूचना मिलते ही आलमगंज

थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के दौरान तीन खोखे बरामद किए हैं। पुलिस घटना से काह गंभीर और इसमें शामिल लोगों की भूमिका की जांच कर रही है। सिटी एसपी राजकिशोर सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मारपीट के बाद गोलीबारी हुई, जिसमें एक व्यक्ति को गोली लगी है। घायल का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों का पता लगाया जा रहा है।

बिहार : यहां हुआ दर्दनाक हादसा, स्कूल जा रहे शिक्षक की ट्रक की टक्कर से मौत, शिक्षा जगत में शोक

बक्सर (एजेंसी)

बक्सर में शुक्रवार सुबह राजपुर प्रखंड की धनसोई-दिनारा मुख्य सड़क पर धनसोई थाना क्षेत्र के चिरैयाटांड मोड़ के पास सड़क हादसे में एक शिक्षक की मौत हो गई। मृतक की पहचान बीरेंद्र बैद्य के रूप में हुई है। बताया जाता है कि वह स्कूटी से अपने विद्यालय जा रहे थे, तभी ट्रक की टक्कर से उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। मिली जानकारी के अनुसार, बीरेंद्र बैद्य धनसोई थाना क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय उओपुर में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। शुक्रवार को वह प्रतिदिन की तरह स्कूटी से विद्यालय

जाने के लिए निकले थे। इसी दौरान चिरैयाटांड मोड़ के पास हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि ट्रक की टक्कर लगने से काह गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। हालांकि, दुर्घटना की परिस्थितियों को लेकर विस्तृत जानकारी की प्रतीक्षा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। बीरेंद्र मूल रूप से सरंजा के रहने वाले थे। वह बक्सर शहर की मिटरलोक कॉलोनी में भी रहते थे। उनकी पत्नी भी शिक्षिका हैं और सेमरी प्रखंड में कार्यरत हैं। पति-पत्नी दोनों के शिक्षक होने के कारण परिवार को जिम्मेदारियां साझा थीं। हादसे में बीरेंद्र बैद्य की मौत की खबर से उनके परिजनों, सहकर्मियों और परिचितों में दुख का माहौल है।

‘यूपी में सपा को खत्म करना चाहती है कांग्रेस,’ सीट बंटवारे की खबरों पर ओपी राजभर

लखनऊ (एजेंसी)

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर सियासी सरगमियां तेज हो गई हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर बातचीत की खबरें सामने आ रही हैं। बताया जा रहा है कि कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी को 172 सीटों की एक सूची सौंपी है। इस पर उत्तर प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने चुटकी लेते हुए कहा कि कांग्रेस सीट-शेयरिंग की आड़ में समाजवादी पार्टी को कमजोर करना चाहती है।

अखंडकर नगर में मौड़िया से बात करते हुए ओम प्रकाश राजभर ने कहा, ‘कांग्रेस चाहती है कि समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में खत्म हो जाए। जिस



तरह बंगाल में टीएमसी और बिहार में तेजस्वी यादव की पार्टी को कमजोर करने की कोशिश हुई, उसी तरह कांग्रेस की सोच है कि उत्तर प्रदेश जैसे बड़े प्रदेश में सपा को खत्म किया जाए।’ उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ने सपा को 172 सीटों की सूची दी है, लेकिन समाजवादी पार्टी इतनी सीटें देने के लिए तैयार नहीं है। अगर कांग्रेस अपनी इस मांग पर अड़ी रही, तो गठबंधन हो पाना मुश्किल हो

SUNSHINE CAPITAL LIMITED													
CIN : L65993DL1994PLC060154													
Regd. Off. & Corp Office : 47/18, Old Rajinder Nagar, Near Rajendra Place Metro Station New Delhi - 110060													
Email id : sunshinecapital95@gmail.com, Website: www.sunshinecapital.in Phone No:011-47476071, Mobile No.: +91-9289992108,													
Unaudited Financial Result for the Quarter and Half year Ended on 30.09.2026													
(IN LAKHS)													
S.N	Particulars	STANDALONE						CONSOLIDATED					
		Three Months Ended			SIX Months Ended			Three Months Ended			SIX Months Ended		
		Year Ended			Year Ended			Year Ended			Year Ended		
		CURRENT QUARTER	PREVIOUS QUARTER	CORRESPONDING QUARTER	CURRENT YEAR TO DATE	CORRESPONDING YEAR TO DATE	FIGURES FOR PREVIOUS YEAR	CURRENT QUARTER	PREVIOUS QUARTER	CORRESPONDING QUARTER	CURRENT YEAR TO DATE	CORRESPONDING YEAR TO DATE	FIGURES FOR PREVIOUS YEAR
	01.07.2026 to 30.09.2026	01.04.2026 to 30.06.2026	01.07.2025 to 30.09.2025	01.04.2026 to 30.09.2026	01.04.2025 to 30.09.2025	01.04.2025 to 31.03.2026	01.07.2026 to 30.09.2026	01.04.2026 to 30.06.2026	01.07.2025 to 30.09.2025	01.04.2026 to 30.09.2026	01.04.2025 to 30.09.2025	01.04.2025 to 31.03.2026	
	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Unaudited	Audited
1	Total Income from operations	99.58	103.38	131.76	202.96	370.69	534.08	99.58	103.38	131.76	202.96	370.69	534.08
2	Net Profit / Loss for the period before tax and exceptional Items	150.66	101.54	62.60	252.20	3,151.79	2,999.39	150.66	101.54	62.60	252.20	3,151.79	2,999.39
3	Net Profit/ Loss for the period before tax (after exceptional Items)	150.66	101.54	62.60	252.20	3,151.79	2,999.39	150.66	101.54	62.60	252.20	3,151.79	2,999.29
4	Net Profit/ Loss for the period after tax (after exceptional Items)	150.66	101.54	62.60	252.20	3,151.79	2,932.88	150.66	101.54	62.60	252.20	3,151.79	2,932.78
5	Total Comprehensive income/ loss for the period (comprising profit/ loss for the period (after tax) and other comprehensive income/ loss (after tax))	150.66	101.54	62.60	252.20	3,151.79	2,932.88	150.66	101.54	62.60	252.20	3,151.79	2,932.78
6	Paid up equity share capital	52,291.72	52,291.72	52,291.72	52,291.72	52,291.72	52,291.72	52,291.72	52,291.72	52,291.72	52,291.72	52,291.72	52,291.72
7	Earning per share (of Rs. 1/- each) Basic & Diluted	0.00	0.00	0.00	0.00	0.06	0.06	0.00	0.00	0.00	0.00	0.06	0.06
Note :													
1. The above is an extract of the detailed format of quarterly and Half year end financial results filed with the stock exchange under regualction 33 of the SEBI (Listing obligations and disclosure requirements) Regulations 2015, the full format of the quarterly and year end financial results is available on the company's website and also available on the website Website-www.sunshinecapital.in of BSE Limited i.e. www.bseindia.com													
2. The above unaudited standalone financial results for the quarter and half year ended on september 30, 2026 were reviewed by the Audit Committee at the meeting and approved by the Board of Directors and taken on record at the meeting held on 23-10-2026.													
For and on behalf of board of directors of													
SUNSHINE CAPITAL LIMITED													
SURENDRA KUMAR JAIN													
(MANAGING DIRECTOR)													
DIN - : 00530035													
Date : 23.10.2026													
Place : New Delhi													



लखनऊ (एजेंसी)

राजधानी लखनऊ में शुक्रवार से शुरू होने वाले दो दिवसीय क्षेत्रीय साधना मुखेल-2026 से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने सपा सरकार पर निशाना साधा। योगी ने एक्स पोस्ट में कहा, ‘प्रशासन की सार्थकता जनमानस के जीवन में आने वाले सकारात्मक परिवर्तन से सिद्ध होती है और इस परिवर्तन के सबसे महत्वपूर्ण संवाहक हमारे लोक सेवक हैं। जब प्रशासनिक

तंत्र दक्ष, संवेदनशील एवं उत्तरदायी होता है, तभी शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचता है और सुशासन का संकल्प जनकल्याण के रूप में साकार होता है। वर्ष 2017 से पूर्व उत्तर प्रदेश सरकार की बीमार मानसिकता, परिवावाद, तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार को प्राथमिकता ने प्रदेश की प्रशासनिक दक्षता, कार्यक्षमता और कार्य-संस्कृति को गंभीर रूप से प्रभावित किया।

अपराध, माफियाराज, नीतिगत उद्दीप्तिता और पहचान के संकेत ने प्रदेश की असीम संभावनाओं पर ग्रहण लगा रखा था।’ मुख्यमंत्री ने आगे कहा, प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार मिशन कर्मयोगी जैसी पहल के माध्यम से देश की प्रशासनिक कार्य-संस्कृति को नई दिशा दे रही है।

धार्मिक स्वतंत्रता पर पाकिस्तान को उपदेश देने की आवश्यकता नहीं, संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट पक्षपातपूर्ण : भारत

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)

भारत ने धार्मिक स्वतंत्रता पर संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत की उस रिपोर्ट की आलोचना की है, जिसमें भारत में दफनाने से जुड़े मामलों का जिक्र किया गया था। भारत का कहना है कि रिपोर्ट में पक्षपात दिखाई देता है और आतंकवाद की गंभीरता को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने गुरुवार को कहा, ‘लोगों के दर्द और नुकसान से राजनीतिक फायदा उठाना ऐसा विषय नहीं होना चाहिए, जिसके आधार पर विशेष दूत अपनी रिपोर्ट तैयार करें।’ उन्होंने कहा कि यह हैरानी की बात है कि आतंकवादियों के अधिकारों की इतनी जोरदार वकालत की जाती है, लेकिन आतंकवाद के पीड़ितों के लिए वैसी चिंता दिखाई नहीं देती। उन्होंने कहा, आतंकवादी मानव के सबसे बुनियादी अधिकार यानी जीवन के अधिकार का उल्लंघन करते

संयुक्त राष्ट्र नें भारत के मिशन की प्रथम सचिव भाविका मंगलानंदन ने कहा, ‘लोगों के दर्द और नुकसान से राजनीतिक फायदा उठाना ऐसा विषय नहीं होना चाहिए, जिसके आधार पर विशेष दूत अपनी रिपोर्ट तैयार करें।’ उन्होंने कहा कि यह हैरानी की बात है कि आतंकवादियों के अधिकारों की इतनी जोरदार वकालत की जाती है, लेकिन आतंकवाद के पीड़ितों के लिए वैसी चिंता दिखाई नहीं देती

हैं। वे न सिर्फ निर्दोष लोगों की जान लेते हैं, बल्कि पूरे देश की मानसिकता और मनोबल को भी नुकसान पहुंचाते हैं। मंगलानंदन संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में बोल रही थीं, जो मानवीय मामलों से जुड़ी है। वह धार्मिक या आस्था की स्वतंत्रता पर संयुक्त राष्ट्र की विशेष दूत नजीला घनेया की रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दे रही थीं। रिपोर्ट का विषय था, असाधारण परिस्थितियों में धार्मिक या आस्था की स्वतंत्रता और अंतिम संस्कार के अधिकार। रिपोर्ट में कहा गया था कि कश्मीर में सुरक्षा अभियानों में मारे गए कुछ लोगों के शव उनके परिवारों को नहीं सौंप गए और उन्हें दूर-दराज के

इलाकों में दफना दिया गया। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के विरोध प्रदर्शनों के दौरान मारे गए कुछ लोगों के अंतिम संस्कार पर भी अधिकारियों ने ‘कानून-व्यवस्था’ के आधार पर कुछ प्रतिबंध लगाए थे। नजीला घनेया ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून की प्रोफेसर हैं। संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत मानवाधिकार परिषद की ओर से नियुक्त किए जाते हैं और वे स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। भारत ने रिपोर्ट की आलोचना करते हुए कहा कि कोविड-19 महामारी के दौरान



दफनाने से जुड़े कथित भेदभाव और गलत प्रथाओं का जिक्र केवल ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) के संदर्भ में किया गया, जबकि विकसित देशों की घटनाओं का उल्लेख नहीं किया गया। मंगलानंदन ने कहा, रिपोर्ट को पढ़कर ऐसा लगता है कि कोविड-19 के दौरान सभी गलतियां और भेदभाव केवल ग्लोबल साउथ में ही हुए थे। उन्होंने सवाल उठाया, विकसित देशों में हुई ऐसी ही

दुखद घटनाओं का जिक्र न करके रिपोर्ट को क्या हासिल होता है? उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि न्यूयॉर्क शहर में कोविड-19 के दौरान हजारों मृतकों को शहर से दूर एक अलग द्वीप पर सामूहिक कब्रों में दफनाया गया था, लेकिन रिपोर्ट में ऐसी घटनाओं का कोई उल्लेख नहीं है। मंगलानंदन ने बैठक के दौरान पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोपों का भी जवाब दिया और उन्हें

‘ईरान संघर्ष’ जैसी कोई चीज नहीं, यह अमेरिका और इजरायल की ओर से छेड़ा गया आक्रामक युद्ध है : बाघेई

तेहरान (एजेंसी)

कतर और फ्रांस ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने की अपनी चर्चा में ‘ईरान संघर्ष’ शब्द का इस्तेमाल किया, जिस पर ईरान ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने कहा कि ‘ईरान संघर्ष’ जैसी कोई चीज नहीं है। सच्चाई को छिपावे के लिए भ्रामक शब्दों का इस्तेमाल न करें। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर ‘कतर और फ्रांस के बीच राजनीतिक और कूटनीतिक सहयोग पर चर्चा’ वाली पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, ‘सच्चाई को भ्रामक और घुमा-फिराकर कहे गए शब्दों के पीछे न



छिपाएं। ‘ईरान संघर्ष’ जैसी कोई चीज नहीं है। यह अमेरिका और इजरायल की ओर से ईरान के खिलाफ छेड़ गया एक गैरकानूनी आक्रामक युद्ध है। बाघेई ने कहा कि आक्रमण को उसके असली नाम से न पुकारना तटस्थता नहीं है, बल्कि नैतिक

जिम्मेदारी से बचने की कोशिश है। उन्होंने कहा, ‘अगर हमारे पास इतना साहस भी नहीं है कि हम हमलावर की पहचान करें और आक्रमण को स्पष्ट रूप से आक्रमण कहें, तो फिर हम यह कैसे दावा कर सकते हैं कि हमारे पास अन्याय का सामना करने,

राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ सकती है, लेकिन ईरान को रोकना भी जरूरी : राष्ट्रपति ट्रंप

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संकेत दिया कि ईरान के खिलाफ आगे भी सैन्य कार्रवाई संभव है, हालांकि उन्होंने यह भी माना कि इस युद्ध का असर आगामी कांग्रेस चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को राजनीतिक नुकसान के रूप में झेलना पड़ सकता है। जब उसे पूछा गया कि इस संघर्ष का चुनावी अभियान पर क्या असर पड़ है, तो ट्रंप ने कहा कि इस मुद्दे पर अमेरिकी जनता की राय बंटी हुई है। युद्ध का असर आने वाले कांग्रेस चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी को राजनीतिक रूप से झेलना पड़ सकता है, लेकिन उन्हें परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना जरूरी था। ट्रंप ने वाशिंगटन से खाना होने से पहले पत्रकारों से कहा, एक तरह से लोग इसे पसंद करते हैं क्योंकि मैं वही कर



रहा हूं जो पहले के राष्ट्रपतियों को बहुत पहले कर देना चाहिए था। दूसरी तरफ, कुछ लोग शायद इसे पसंद न करें। उन्होंने कहा, इसके लिए एक राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ सकती है और मुझे यह बात तभी समझ आ गई थी जब मैंने यह फैसला लिया। लेकिन हम ईरान को परमाणु हथियार हासिल नहीं करने दे सकते। हालांकि ट्रंप ने यह स्पष्ट नहीं किया कि क्या वह किसी नए सैन्य अभियान पर विचार कर रहे हैं, संभावित दरागेत कौन हो सकते हैं या ऐसा कदम कब

गुमला में पीएलएफआई का जोनल कमांडर तीन सहयोगियों के साथ गिरफ्तार, हथियार बरामद

गुमला (एजेंसी)

झारखंड के गुमला जिले में पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएलएफआई) के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उसके जोनल कमांडर विश्राम कोण्डाई समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई कामडार थाना क्षेत्र में की गई। गिरफ्तार विश्राम कोण्डाई गुमला, खुंटी और सिमडेगा जिलों में संगठन की गतिविधियों से संचालित करता था। छापेमारी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के पास से हथियार भी बरामद किए हैं। पुलिस को गुरुवार रात गुप्त सूचना मिली थी कि कामडार थाना क्षेत्र में पीएलएफआई के कुछ सदस्य किसी बड़ी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की तैयारी की और एक विशेष टीम गठित की। टीम ने चिह्नित ठिकानों

पर छापेमारी की, जहां से विश्राम कोण्डाई और उसके तीन कथित सहयोगियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, विश्राम कोण्डाई का प्रभाव क्षेत्र गुमला, खुंटी और सिमडेगा जिले तक फैला हुआ था। इन जिलों के विभिन्न थानों में उसके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज होने की जानकारी मिली है।

हालांकि, उसके खिलाफ दर्ज मामलों की संख्या, उनकी प्रकृति और गिरफ्तारी के दौरान बरामद हथियारों के प्रकार के संबंध में विस्तृत जानकारी आधिकारिक तौर पर सामने नहीं आई है। पुलिस अब गिरफ्तार लोगों से पूछताछ कर संगठन की गतिविधियों, उसके नेटवर्क और संभावित आपराधिक योजनाओं के बारे में जानकारी जुटा रही है। जांच में यह पता लगाने की भी कोशिश होगी कि गिरफ्तार आरोपियों के संपर्क किन लोगों से थे और वे किस वारदात को अंजाम देने की तैयारी कर रहे थे।

बाबा महाकाल का भांग से श्रृंगार, भस्म आरती में गूंजे जय श्री महाकाल के जयकारे



उज्जैन (एजेंसी)

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में शुक्रवार सुबह चार बजे हुई भस्म आरती के दौरान बाबा महाकाल का विशेष पूजन-अभिषेक कर आकर्षक श्रृंगार किया गया। अखिल शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि पर भगवान महाकाल का पंचामृत से अभिषेक किया गया। इसके बाद बाबा महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और बाबा महाकाल के दिव्य स्वरूप के

दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। भक्तों के जय श्री महाकाल के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित महेश शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को अखिल शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि पर बाबा महाकाल का विशेष श्रृंगार किया गया। भस्म आरती के लिए सुबह चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पुजारीगण ने गंधार्ह में स्थापित सभी देवी-देवताओं की प्रतिमाओं का पूजन किया। इसके बाद भगवान महाकाल का जलाभिषेक

किया गया और दूध, दही, घी, शक्कर तथा फलों के रस से तैयार पंचामृत अर्पित कर अभिषेक किया गया। पूजन के दौरान प्रथम घंटील बजाकर भगवान को हरि ओम का जल अर्पित किया गया। फर बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और मुंडमाला धारण कराई गई। शुक्रवार को हुए श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि बाबा महाकाल का भांग से श्रृंगार किया गया। भस्म आरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भक्तों ने भगवान महाकाल के इस दिव्य स्वरूप के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान श्रद्धालु बाबा महाकाल की भक्ति में लीन नजर आए और मंदिर परिसर में जय श्री महाकाल के जयकारे गूंजते रहे। धार्मिक मान्यता के अनुसार, भस्म अर्पित करने के बाद भगवान महाकाल निराकार से साकार स्वरूप में दर्शन देते हैं। इसी मान्यता के चलते भस्म आरती को बाबा महाकाल की पूजा का विशेष और महत्वपूर्ण अनुष्ठान माना जाता है।

महाराष्ट्र : मेडिकल कराने आए आरोपी ने महिला डॉक्टर को जड़ा थप्पड़, डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल

वर्धा (एजेंसी)

महाराष्ट्र के वर्धा से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है, जिससे डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। वर्धा के तलेगाव (शामजी) प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पांच पुलिसकर्मियों के साथ आरोपी काटिद अली रज्जाक को कोर्ट में पेश करने से पहले मेडिकल टेस्ट कराने के लिए लाया गया था। मेडिकल कराने के दौरान गुस्से में आए आरोपी काटिद अली रज्जाक ने ड्यूटी पर तैनात महिला डॉक्टर को जोरदार थप्पड़ जड़ दिया। यह पूरी घटना पीएचसी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसका फुटेज अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपी को तुरंत काबू में किया। आरोपी के खिलाफ सरकारी कर्मचारी पर हमला और ड्यूटी में बाधा डालने की धाराओं में अलग से मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद वर्धा जिले के डॉक्टरों



और मेडिकल एसोसिएशन में भारी नाराजगी है। डॉक्टरों ने आरोपी पर सख्त कार्रवाई और पीएचसी में सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है। बता दें इससे पहले बीते महीने दही हांडी उत्सव के दौरान मानव पिगमिड बनाते समय घायल हुए लोगों को पालघर के अस्पताल लाया गया था। डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों के साथ कथित दुर्व्यवहार का मामला सामने आया था। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए उममुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की प्रतिक्रिया सामने आई थी। एकनाथ शिंदे ने इस मामले में शिवसेना पालघर शहर प्रमुख रहल घरत को पार्टी से निलंबित कर निष्कासित करने की घोषणा की थी।

राष्ट्रपति मुर्मू ने माँ दंतेश्वरी की पूजा-अर्चना कर देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की

माँ दंतेश्वरी मंदिर बस्तर की अटूट आस्था, समृद्ध परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का प्रमुख केंद्र

ओपन सर्व. संवाददाता

रायपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अपने बस्तर प्रवास के दौरान जादलपुर स्थित बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी के मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति ने माँ दंतेश्वरी के दर्शन किए और श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में राष्ट्रपति का परंपरागत ढंग से स्वागत किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल रमेश डेका और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने माँ दंतेश्वरी के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-शांति, समृद्धि और निरंतर प्रगति की कामना

तिब्बत भूकंप : 7.0 तीव्रता के झटकों में ढह गए 300 से ज्यादा घर, 16 लोगों की मौत, 32 घायल

ल्हासा (एजेंसी)

तिब्बत में गुरुवार को आए 7.0 तीव्रता के भूकंप में 16 लोगों की मौत हो गई, जबकि 32 लोग घायल हो गए। शहर के आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो के अनुसार, राहत और बचाव कार्य लगातार जारी है। शुक्रवार सुबह 2:25 बजे तक घायलों में से 11 लोगों की हालत गंभीर बताई गई, जबकि 21 लोगों को मामूली चोट आई है। भूकंप के कारण 300 से अधिक घर ढह गए। भूकंप से हुए नुकसान का आकलन अभी भी किया जा रहा है।

राहत कार्य तेजी से चल रहा है और प्रभावित लोगों तक मदद पहुंचाई जा रही है। राहत और बचाव कार्य के लिए 300 से अधिक पुलिसकर्मियों को भूकंप के केंद्र वाले इलाके में भेजा गया है। इसके अलावा, क्षेत्रीय अग्निशमन एवं बचाव विभाग ने 347 कर्मचारियों को प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया है। इससे पहले तीन सितंबर को भी तिब्बत में 5.0 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसका केंद्र लगभग 14 किलोमीटर गहराई में था।



वहीं जनवरी 2025 में आए 6.8 तीव्रता के एक बड़े भूकंप में 120 से अधिक लोगों की जान गई थी और सैकड़ों लोग घायल हुए थे। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, ताजा भूकंप धरती की सतह से 173 किलोमीटर गहराई में आया। इसका केंद्र तिब्बत की राजधानी ल्हासा से लगभग 400 किलोमीटर दूर था। विशेषज्ञों का कहना है कि बढ़ता तापमान, तेजी से पिघलते ग्लेशियर और लगातार बढ़ रही मौसम की चरम घटनाएं किंगहाई-तिब्बत पट्टर में प्राकृतिक आपदाओं के खतरे को और बढ़ सकती हैं। हालिया भूकंप ने एक बार फिर इस क्षेत्र की संवेदनशीलता की ओर ध्यान खींचा है, जहां लोग पहले से ही हाल की आपदाओं के असर से जूझ रहे हैं।

इस्माइल बाघेई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘एक्स’ पर ‘कतर और फ्रांस के बीच राजनीतिक और कूटनीतिक सहयोग पर चर्चा’ वाली पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, ‘सच्चाई को भ्रामक और घुमा-फिराकर कहे गए शब्दों के पीछे न छिपाएं

सच्चाई को स्वीकार किया जाए, न्याय का सम्मान किया जाए और सही-गलत के बीच स्पष्ट अंतर किया जाए। दरअसल, कतर और फ्रांस ने हाल के क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श किया। दोनों देशों ने अपनी रणनीतिक साझेदारी को दोहराया और क्षेत्रीय तथा वैश्विक चुनौतियों से मिलकर निपटने की अपनी प्रतिबद्धता जताई।

चर्चा में खाड़ी क्षेत्र की सुरक्षा, ‘ईरान संघर्ष’, होर्मुज स्ट्रेट में नौवहन की स्वतंत्रता बहाल करने के उपाय, मध्य पूर्व और अफ्रीका में शांति प्रयास तथा सीरिया और लेबनान की स्थिति जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल रहे। इस चर्चा में ‘ईरान संघर्ष’ शब्द को लेकर कायम नहीं की जा सकती। सच्ची ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने विरोध दर्ज कराया।

अबोहर पीड़ित परिवार को लेकर विधानसभा पहुंचे सुनील जाखड़, ‘आप’ सरकार के खिलाफ कितना विरोध प्रदर्शन जाए

चंडीगढ़ (एजेंसी)

भाजपा नेता सुनील जाखड़ शुक्रवार को अबोहर के पीड़ित परिवार के साथ आम आदमी पार्टी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान सुनील जाखड़ ने कहा, ‘मैं राजनीति में जनसेवा और लोगों की आवाज उठाने के उद्देश्य से आया हूं, न कि राजनीति को व्यवसाय बनाने के लिए। मैं उन लोगों का बचाव करने नहीं आया हूं, जो साधारण कृषेभूमि से निकलकर आज महंगी गाड़ियों में घूम रहे हैं। मैं आम लोगों के हितों में ऐसी राजनीति करता रहूंगा। इनके करीब 115 विधायक भी यहीं से पीड़ित परिवार के पास से गुजर चुके हैं।’ उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विधानसभा सत्र बंद भी हो जाता है तो वह मुख्यमंत्री भगवंत मान के घर के पास जाकर बैठेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए वह दिल्ली भी जाएंगे।

सुनील जाखड़ ने पत्रकारों से कहा, मैं आपसे केवल एक विनती करना चाहता हूं। आपके अधिकार क्षेत्र में न तो सीबीआई जांच के आदेश देना है और न ही किसी मामले में एफआईआर दर्ज कराना। लेकिन कम-से-कम पीड़ित परिवार के पास जाकर उनके दुख में सहभागी बनिं।

थोड़ी संवेदनशीलता और मर्यादा का परिचय दीजिए, ताकि विधानसभा का समय अनावश्यक विवादों में व्यर्थ न हो। बता दें कि यह पूरा मामला अबोहर के संत नगर का है। यहां वाल्मीकि मंदिर के बाहर अजय कुमार के पेट में गोली लग गई थी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें लुथियाना के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उनका परिवार लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहा है। परिवार सीबीआई जांच, सभी आरोपियों की गिरफ्तारी और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है।

पांचवें दिन की धमाकेदार शुरुआत, बैडमिंटन, आर्चरी, जैवलिन में आए गोल्ड-सिल्वर से पदकों का शतक पूरा

नागोया (एजेंसी)

जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियन पैरा गेम्स 2026 के पांचवें दिन (शुक्रवार) की शुरुआत भारतीय दल के लिए शानदार रही है। भारतीय एथलीटों ने दिन की शुरुआत ही गोल्ड और सिल्वर मेडल से की है। पैरा आर्चरी विमेंस रिकर्व डबल्स गोल्ड मेडल मैच में भारत की भावना और पूजा को चीन की जोड़ी से हारकर सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। चीन ने शुरू से आखिर तक मुकाबला अपने नाम किया और हर तौर पर 9.33 के हाई-कैलिबर एक्वेज के साथ सेट 38-31, 35-30 और 39-29 से अपने नाम किए, जबकि भारत का औसत 7.50 रहा। थुलसिमथी मुरुगेसन ने बैडमिंटन के एसयू5 महिला एकल में सिल्वर मेडल जीता। उन्हें फाइनल में चीन की किउक्सिया यांग से 18-21, 11-21 से हार का सामना करना पड़ा। प्रमोद ने पुरुषों की 1500 मीटर टी46 इवेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने 4:09.65 का समय निकालकर शानदार प्रदर्शन किया और सिल्वर मेडल जीता। प्रमोद ने हांगझोऊ पैरा एशियन गेम्स में भी सिल्वर मेडल जीता था। हरविंदर सिंह और विजय



सुंछे ने पैरा आर्चरी मेन्स रिकर्व टीम इवेंट में शानदार परफॉर्मेंस के साथ 2026 एशियन पैरा गेम्स में गोल्ड जीता। पहला सेट 35-35 से बराबरी के बाद भारतीय जोड़ी ने अगले दो सेट 37-36 और 38-36 से जीते और चीन पर 5-1 की जीत के साथ गोल्ड मेडल अपने नाम किया। एसएल3 बैडमिंटन पुरुष एकल के फाइनल में नितेश कुमार ने हमवतन प्रमोद को 21-18, 21-16 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। प्रमोद भगत के नाम सिल्वर मेडल रहा। भारत के नवीन शिवकुमार ने बैडमिंटन एसएल4 इवेंट में गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने इंडोनेशिया के फर्डी सेतियावान को 21-9, 21-17 से हराया। निमिषा चक्कुंगलपरम्बिल ने

महिलाओं की लॉन्ग जंप टी47 में सिल्वर मेडल जीता। नित्या श्री को महिला एकल एसएच6 फाइनल में चीन की फेंगमेई ली से 12-21, 13-21 से हारकर सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। संदीप कुमार ने पुरुषों की 400 मीटर टी64 फाइनल में वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़कर गोल्ड मेडल जीता। संदीप ने 52.28 सेकेंड के शानदार समय के साथ जीत हासिल की। वहीं, क्वार्टर-मिलर अजय कुमार ने 53.61 सेकेंड का समय लेकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। पुरुषों की 400 मीटर टी44 फाइनल में संदीप कुमार ने गोल्ड और अजय कुमार ने ब्रॉन्ज मेडल जीता। हैनी ने जैवलिन में गोल्ड जीता। अपनी आखिरी कोशिश में 60.49 मीटर की दूरी तक जैवलिन

एशियन पैरा गेम्स : नितेश, थुलसिमथी ने बैडमिंटन मिक्स्ड डबल्स में सिल्वर जीता

नागोया। भारत के नितेश कुमार और थुलसिमथी मुरुगेसन ने शुक्रवार को मिक्स्ड डबल्स एसएल3-एसयू5 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता। भारतीय जोड़ी को फाइनल में इंडोनेशिया की लीनी रात्री ओवित्ला और हिकमत रामदानी से 21-11, 19-21, 14-21 से हार के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने शुरुआती गेम में 21-11 से दबदबा बनाया, लेकिन दूसरा गेम 19-21 से हार गई और फिर आखिरी गेम में 14-21 से हार गई। इससे पहले, थुलसिमथी मुरुगेसन ने विमेंस सिंगल्स एसयू5 फाइनल में चीन की यांग से 21-18, 21-11 से हारने के बाद सिल्वर मेडल जीता था। नितेश ने हमवतन प्रमोद भगत को हराकर गोल्ड मेडल जीता था। प्रमोद ने 2018 और 2022 एडिशन में गोल्ड जीता था। दो पैरालंपिक चैंपियनों के बीच खेला गया फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। मुकाबला 21-18, 21-16



से नितेश के पक्ष में रहा। एक अन्य मैच में नित्या श्री सुमति सिवन ने महिला एकल एसएच6 फाइनल में चीन की ली फेंगमेई से 12-21, 13-21 से हारने के बाद सिल्वर मेडल जीता। पैरा बैडमिंटन में, एसएल3 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके निचले अंगों में गंभीर कमी है और जो हाफ कोर्ट पर खेलते हैं, जबकि एसएल4 उन एथलीटों के लिए है जिनके निचले अंगों में गंभीर कमी है और जिनका चलने और दौड़ने का संतुलन बेहतर होता है। एसयू5 उन खिलाड़ियों के लिए है जिनके ऊपरी अंगों में कमी है, जबकि एसएच6 छोटें कद के एथलीटों के लिए है। भारत हांगझोऊ 2023 में अपने अब तक के सबसे अच्छे एशियन पैरा गेम्स कैपेन के बाद आइची-नागोया पहुंचा है।

ऋद्धिमान साहा : तेज गेंदबाज के तौर पर शुरु हुआ था टीम इंडिया के बेहतरीन विकेटकीपर का सफर

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा का करियर संघर्ष और सफलता का एक शानदार उदाहरण है। एक बेहतरीन विकेटकीपर के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले साहा ने अपने रोमांचक करियर की शुरुआत एक तेज गेंदबाज के रूप में की थी। ऋद्धिमान साहा का जन्म 24 अक्टूबर, 1984 को शक्तिगढ़, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल में हुआ था।

बंगाल भारतीय क्रिकेट का गढ़ है और इसका असर साहा पर भी पड़ा। साहा ने क्रिकेट के क्षेत्र में अपना करियर बनाने का फैसला किया था। शुरुआती दिनों में साहा एक तेज गेंदबाज के रूप में खेला करते थे, लेकिन समय के साथ उनकी दौलतवस्पी विकेटकीपिंग में बढ़ी। इसके बाद उन्होंने एक विकेटकीपर



बल्लेबाज के तौर पर अपनी पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत शुरू की। 2007 में बंगाल के लिए प्रथम श्रेणी और लिस्ट ए में डेब्यू करने वाले साहा को अच्छे प्रदर्शन के बावजूद भारतीय टीम में जगह बनाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। इसकी वजह महेंद्र सिंह धोनी है, जो भारतीय कप्तान होने के साथ ही तीनों फॉर्मेट में स्थापित

विकेटकीपर बल्लेबाज थे। 2010 में भारतीय टीम के लिए टेस्ट और वनडे फॉर्मेट में डेब्यू करने वाले साहा की टेस्ट टीम में नियमित जगह दिसंबर 2014 में धोनी के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद बनी।

इसके बाद साहा 2021 तक टेस्ट टीम में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज खेले। इसके बाद ऋषभ

भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज सब्बीनेनी मेघना ने संन्यास लिया, कहा- ‘क्रिकेट हमेशा दिल में रहेगा’

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज रही सब्बीनेनी मेघना ने शुक्रवार को क्रिकेट को अलविदा कह दिया। उन्होंने सभी फॉर्मेट से संन्यास ले लिया है। मेघना 2022 में कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रही थीं। मेघना ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, ‘वर्ल्ड स्टेज पर जर्सी पहनने के लिए हाथ में बल्ला लेकर पहली बार मैदान पर उतरना किसी सपने के सच होने से कम नहीं है। मैं एक खिलाड़ी के तौर पर क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा करती हूं। मेरा दिल शुक्रगुजार है।

मैदान मेरा दूसरा घर रहा है, जिसने मुझे हिम्मत दी, विनम्रता सिखाई और ऐसी यादें और दोस्ती दी, जिन्हें मैं ज़िंदगी भर संभालकर रखूंगी।’ उन्होंने लिखा, ‘मेरे परिवार को, जो हर मुश्किल समय में मेरे साथ

‘हम अपनी गलती जानते हैं’, श्रीलंका से रिकॉर्ड हार के बाद बोले इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक

नई दिल्ली (एजेंसी)

पाकिस्तान में खेली जा रही वनडे त्रिकोणीय सीरीज में गुरुवार को खेले गए एक हाईस्कोरिंग मैच में इंग्लैंड को श्रीलंका के खिलाफ एक बड़ी और ऐतिहासिक हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद इंग्लैंड के कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि हमें अपनी गलती पता है। हार के बाद प्रेजेंटेशन के दौरान हैरी ब्रूक ने कहा, ‘यह एक शानदार क्रिकेट मैच था। मुझे लगा कि दोनों टीमों बहुत बढ़िया थीं। बदकिस्मती से, श्रीलंका ने हमें हरा दिया। हम गेंद से ठीक से खेल नहीं पाए और उनकी ताकत के हिसाब से थोड़ा खेले, और फिर उन्होंने 400 रन बनाकर जबरदस्त क्रिकेट खेला।’ उन्होंने कहा, ‘मुझे लगता है कि 20 साल में पहली बार यह एक जबरदस्त उपलब्धि है। अब हारने वाली टीम का कोई मतलब नहीं है। हमें ड्रैंग बोर्ड पर वापस जाना होगा।

हम जानते हैं कि हमसे कहां गलती हुई है। बदकिस्मती से, हमने गेंद से अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। अगले कुछ मैचों में हमारे पास फाइनल में जगह पक्की करने का शानदार मौका है। हमें जीतों को सिंपल रखना होगा और खुद को सपोर्ट करना होगा और अगले गेम में फिर से बेहतर खेलना होगा। ब्रूक ने हार की वजह टीम की कमजोर



गेंदबाजी को बताया, जो निश्चित रूप से सही है। मैच की बात करें तो श्रीलंका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने हैरी ब्रूक के 116 गेंदों पर 21 चौकों और 10 छक्कों से सजी रिकॉर्ड 202 रनों की पारी के दम पर 50 ओवर में 4 विकेट पर 429 रन बनाए। ब्रूक का यह दोहरा शतक वनडे क्रिकेट का सबसे तेज दोहरा शतक था। जो स्ट ने 66 गेंदों पर 69 और विल जैक्स ने 30 गेंदों पर नाबाद 66 रन बनाए। श्रीलंका ने 49.5 ओवर में 8 विकेट पर 430 रन बनाकर मैच जीत लिया। श्रीलंका ने न सिर्फ इंग्लैंड, बल्कि दुनियाभर के

क्रिकेट फैस को भी चौंकाया। यह वनडे क्रिकेट का दूसरा सबसे बड़ा चेज था। वहीं, यह श्रीलंका का सबसे बड़ा चेज था। श्रीलंका के लिए सलामी बल्लेबाज अविष्का फर्नांडो ने 83 गेंदों पर 97, चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए पवन रथनायक ने 106 गेंदों पर 130, पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए दासुन शनाका ने 50 गेंदों पर 97 और छठे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए जेनथ लियंगे ने 27 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाकर टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई। पवन रथनायक प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

‘सभी चाहते हैं कि हम चैंपियन की तरह खेलें’: दूसरे टेस्ट में जीत के बाद बोले बावुमा; रबाडा को लेकर क्या बोले?

गकेबरहा (एजेंसी) दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया को दूसरे टेस्ट में हराकर 3 टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली। दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया पर पारी और 31 रन से जीत दर्ज की। तेंबा बावुमा को 179 रन की यादगार पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। दक्षिण अफ्रीका ने इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया पर एकतरफा जीत हासिल की और अपनी श्रेष्ठता साबित की। मैच के बाद दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेंबा बावुमा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ‘हर कोई चाहता है कि हम मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन के तौर पर अपना दम दिखाएं। हम जो कुछ भी करते हैं, उस पर सबकी नजर रहती है। डबन में हमारे प्रदर्शन के बाद हमें यह एहसास हुआ।

हालांकि, हमें यह भी पता चला कि मजबूत विपक्षी के खिलाफ खेलने का क्या मतलब होता है।’ दूसरे टेस्ट में तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा ने वापसी की और गेंद से शानदार प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन पर बावुमा ने कहा, ‘उनकी बैल्यू बहुत ज्यादा है। जब वह मैदान पर होते हैं, तो गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करने का दबाव लेते हैं। मेरा मानना ​​है कि इससे बाकी सभी को वह करने का मौका मिलता है, जो उन्हें करना चाहिए। रबाडा दूसरे खिलाड़ियों को प्रेरणा देने वाले खिलाड़ी हैं।’ रबाडा पहले टेस्ट में इंजरी की वजह से नहीं खेल पाए थे। इसका नुकसान दक्षिण अफ्रीका को हार के तौर पर उठाना पड़ा। दूसरे मैच में फिट होने के साथ ही उनकी फ्लॉग इलेवन में वापसी हुई। मैच में छह विकेट लेकर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका की जीत में अहम भूमिका निभाई। दूसरे टेस्ट की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 110 रन पर 6 विकेट गंवाने के बावजूद कप्तान तेंबा बावुमा के 179, मार्को यानसेन के 85 और सिमोन हार्मेर के 82 रनों की मदद से 9 विकेट पर 425 रन बनाकर पारी घोषित की।

शीतल देवी ने एक ही दिन जीते 2 गोल्ड, 88 पदकों के साथ मेडल टैली में चौथे स्थान पर भारत

नई दिल्ली (एजेंसी) एशियन पैरा गेम्स 2026 की मेडल टैली में भारत 21 गोल्ड, 26 सिल्वर और 41 सिल्वर मेडल के साथ चौथे स्थान पर है। भारत ने अब तक कुल 88 मेडल अपने नाम किए हैं। चीन (314 मेडल) शीर्ष स्थान पर काबिज है, जबकि जापान (136 मेडल) दूसरे और उज्बेकिस्तान (120 मेडल) तीसरे स्थान पर हैं। रिपब्लिक ऑफ कोरिया (70 मेडल) टॉप-5 में शामिल हैं। चीन ने 150 गोल्ड, 79 सिल्वर और 85 ब्रॉन्ज मेडल जीते हैं। वहीं, जापान 40 गोल्ड, 46 सिल्वर और 50 ब्रॉन्ज के साथ दूसरे स्थान पर है। उज्बेकिस्तान के खाते में 38 गोल्ड, 41 सिल्वर और इतने ही ब्रॉन्ज मेडल हैं। यह देश तीसरे पायदान पर मौजूद है। भारत ने पैरा एथलेटिक्स में सर्वाधिक मेडल हासिल किए हैं। ट्रेड एंड फील्ड में भारतीय एथलीट्स ने कुल 52 मेडल (18 गोल्ड, सिल्वर रजत और 18 ब्रॉन्ज) जीते हैं। पैरा तीरंदाजी में भारत की 19 वर्षीय शीतल देवी ने शानदार प्रदर्शन किया।

उन्होंने तोमन कुमार के साथ मिलकर मिक्स्ड टीम इवेंट का गोल्ड जीता। इसके बाद उन्होंने व्यक्तिगत स्पर्धों में भी गोल्ड अपने नाम किया। इस तरह शीतल देवी ने एक ही दिन में दो गोल्ड मेडल जीतकर भारत की पदक संख्या बढ़ाने में अहम योगदान दिया। पैरा एथलेटिक्स के अलावा भारत को पैरा तैराकी (10 मेडल), पैरा बैडमिंटन (8 मेडल) और पैरा तीरंदाजी (4 मेडल) में भी पदक मिले हैं। पदक तालिका में भारत के ठीक पीछे साउथ कोरिया पांचवें स्थान पर है, जिसने 21 गोल्ड, 23 सिल्वर और 26 ब्रॉन्ज सहित कुल 70 पदक जीते हैं। भारत के गोल्ड मेडल की संख्या साउथ कोरिया के बराबर है, लेकिन सिल्वर की अधिक संख्या के कारण भारत चौथे स्थान पर है। भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन प्रतियोगिता में देश की मजबूत चुनौती को दर्शाता है। खासकर पैरा एथलेटिक्स में लगातार मिल रहे मेडल ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में देश की स्थिति मजबूत की है। आने वाली स्पर्धाओं में भारतीय खिलाड़ियों के पास पदक तालिका में अपनी स्थिति और बेहतर करने का मौका होगा।

ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से बाहर, BCCI ने दी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)

न्यूजीलैंड के खिलाफ गुरुवार को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 में लक्ष्य का पीछ करते हुए अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम को दूसरे टी20 से पहले बड़ा झटका लगा है। विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन चोट की वजह से दूसरे टी20 में नहीं खेलेंगे। ईशान किशन के दूसरे टी20 में नहीं खेलने की जानकारी भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने सोशल मीडिया पेज के माध्यम से दी है। बीसीसीआई ने शुक्रवार की



सुबह अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर लिखा, ‘ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 से लॉ-ग्रेड राइट एंडेक्टर स्ट्रेन की वजह से बाहर हो गए हैं। उन्हें सीरीज के पहले टी20 मैच के दौरान चोट लगी।

मोहाली (एजेंसी)

जापान की 18 सदस्यीय पुरुष फील्ड हॉकी टीम 27 अक्टूबर से 5 नवंबर तक जालंधर और मोहाली में होने वाली एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लेने के लिए शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट, मोहाली पहुंची। जापान की हॉकी टीम का एयरपोर्ट पर भव्य स्वागत किया गया। खेल विभाग के अधिकारियों ने भांगड़ा, पारंपरिक मालाओं और पंजाबी मेहमाननवाजी के साथ खिलाड़ियों का शानदार स्वागत किया। खिलाड़ी अपने शानदार स्वागत से खुश थे।

उन्होंने मेजबानों को धन्यवाद दिया और हॉकी के महान खिलाड़ियों की धरती पंजाब में खेलने को लेकर उत्साह दिखाया। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत आई जापान की हॉकी टीम में यामाडा शोटा, तनाका सेरेन, वतनबे जुन, मात्सुमोटो



काजुमासा, नागाई युमा, यामाशिता मनावू, फुजीशिमा ययकी (कप्तान), नागायाशी केन, सेतो हियो, काशिवागी रेन, तनाका त्सुबासा, उक्का रयोमा, कवामुरा युसुकु, क्रोदा किशो (गोलकीपर), यामानाका मोटोया, ओचियाई हारुकी, कितागावा ताकुमी (गोलकीपर) और फुकुदा केंयो शामिल हैं। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पहली बार पंजाब में हो रही है। पंजाब की धरती पहली बार किसी

इंटरनेशनल हॉकी टूर्नामेंट की गवाह बन रही है। इसके लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने अपनी तरफ से काफी प्रयास किया है।

पंजाब सरकार ने हिस्सा लेने वाली सभी टीमों को एक इंटरनेशनल स्पोर्टिंग इवेंट के हिसाब से वर्ल्ड-क्लास सुविधाएं, सुरक्षा और मेहमाननवाजी का भरोसा दिया है। चैंपियनशिप के दौरान टीमों के आराम से रहने, प्रैक्टिस सेशन और यात्रा के

सिलिकॉन वैली स्ववैश : अनाहत सिंह ने सेमीफाइनल में जगह बनाई

रेडबुड सिटी (एजेंसी)

दुनिया की 15वें नंबर की खिलाड़ी भारत की अनाहत सिंह ने मिस्र की छठी सीड सलमा हैनी पर पांच गेम की रोमांचक जीत के साथ सिलिकॉन वैली ओपन स्ववैश के सेमीफाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने पहली बार अपने पीएसए गोल्ड-लेवल सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

दुनिया की नंबर 3 और आठ बार की वर्ल्ड चैंपियन मिस्र की नूर एलशेरबिनी को सीधे गेम में हराके एक दिन बाद, 18 साल की भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर 14 हैनी को 42 मिनट तक चले मुकाबले में 4-11, 11-8,



4-11, 11-2, 11-5 से हराया। अनाहत मुकाबले में 2-1 से पीछे चल रही थीं, लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 11-2, 11-5 से जीत

हासिल की और अपने करियर में पहली बार गोल्ड सेमीफाइनल में जगह बनाई। 2-1 से पीछे होने के बाद वापसी करते हुए जीत हासिल

करने के बाद अनाहत ने हैनी के बारे में कहा, ‘मैंने उनके खिलाफ पहले कभी नहीं खेला था। मुझे नहीं पता था कि कोर्ट पर आकर क्या करना है। मैंने उन्हें कई बार खेलते हुए देखा है। वह पीएसए टूर में बहुत अनुभवी हैं। अनाहत ने कहा, ‘एलशेरबिनी के खिलाफ जीत के बाद, मुझे पता है कि अगर मैं अच्छे खेल रही हूं तो मेरे पास जिससे भी खलूंगी, उसके खिलाफ मौका है।

मैं इसी सोच के साथ उतरना चाहती थी। स्टार भारतीय खिलाड़ी ने कहा, ‘गुरुवार की जीत के बाद इमोशन की वजह से मैं मैच में थोड़ी थकी हुई थी। मैं आज मोमेंटम नहीं खोना चाहती थी, मैं अपना शत-

प्रतिशत देना चाहती थी। टूर्नामेंट में एक कदम आगे बढ़कर मैं खुश हूं। अनाहत सिंह का अगला मुकाबला दुनिया की नंबर चार और मौजूदा एशियन गेम्स चैंपियन मलेशिया की शिवसांगरी सुब्रमण्यम से होगा। अनाहत को एशियन गेम्स 2026 के फाइनल में शिवसांगरी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। अनाहत का साल 2026 में सफर शानदार रहा है। इस साल की शुरुआत में वर्ल्ड जूनियर स्ववैश चैंपियनशिप जीतने के बाद एशियन गेम्स स्ववैश सिंगल्स फाइनल में जगह बनाई थी। वह फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी थीं।

रसिका दुग्गल ने की बच्चों के लिए फिल्में बनाने की अपील, कहा- उनकी जिज्ञासा को अपनाना जरूरी



अभिनेत्री रसिका दुग्गल का कहना है कि 'लिटिल थॉमस' जैसी फिल्में बच्चों के लिए महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि ऐसी कहानियाँ उन्हें अपने अनुभवों और भावनाओं से जोड़ने का अवसर देती हैं। फिल्म में वह जैसी मिरांडा के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस तरह की कहानी बच्चों का मनोरंजन करने के साथ-साथ उन्हें संवाला मुझे, कला करने और अपने आपका तरीका दुनिया को समझने पर आजादी देगी। उन्होंने कहा, सिनेमा आपकी दुनिया को बढ़ा करने और आपको को बढ़ावा देने का एक शानदार तरीका है। बड़े होने पर हमारा मन में जो कई विचार आते हैं, उनका कनेक्शन अक्सर बचपन में देखी गई फिल्मों से होता है।' बच्चों के लिए अच्छी फिल्मों की जरूरत पर बात करते हुए रसिका ने कहा, 'संश्लिष्ट हमें ऐसी फिल्मों की जरूरत है, जिसे बच्चे खुद को जोड़ सकें। ऐसी फिल्में उनकी जिज्ञासा को नजरअंदाज करने के बजाय उसे अपनाएँ।' रसिका ने कहा कि बच्चों के लिए फिल्मों बिना हल्की-फुल्की हुए भी मनोरंजन हो सकती हैं। एमर्सन ने कहा, इस तरह की फिल्में भी बच्चों का मनोरंजन कर सकती हैं। मैं चाहूंगी कि ज्यादा से ज्यादा फिल्ममेकर ऐसी कहानियों को एक्सप्लोर करें जिन्हें बच्चे एन्जॉय कर सकें और जो उनकी कल्पना के लिए नई संभावनाएं खोलें। कौशल ओझा द्वारा निर्देशित यह फिल्म 1990 के दशक के गोवा में सात साल के थॉमस और उसके परिवार के जीवन के उदार-चरित्र को दिखाती है, जो मालगुडी डेज और रिकवर्न बॉन्ड की कहानियों की याद दिलाती है। फिल्म में गुलशन पारेख, रसिका दुग्गल और बाल कलाकार हर्दश पारेख मुख्य भूमिकाओं में हैं। अभिनेत्री रसिका दुग्गल फिल्म में थॉमस की मां 'जैसी मिरांडा' का किरदार निभा रही हैं। जैसी मिरांडा एक ऐसी मां हैं जिनकी दुनिया उनकी देख-रेख, उनकी बेकरी और संगीत के प्रति उनका प्रेम के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में दुनिया को एक बच्चे की नजर से देखने का प्रयास किया गया है, जहां बचपन की जिज्ञासाओं से जन्म लेने वाले सपने और क्षिति बातचीत को प्रमुखता दी गई है। लिटिल थॉमस इसी की पट्ट पर प्रस्तुत करती है। (तर्जुनी)

बर्लिन से टोरंटो तक पहुंची श्वेता त्रिपाठी की फिल्म, कहा-
प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी को देखने का बदला नजरिया



पौर आगे इसके लिए क्या-क्या संभालना पड़े। यह हमरे लिए सीखने का शानदार अनुभव रहा है और मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूँ कि इस सप्तर का फिल्म के लिए क्या मतलब निकलता है।' खेता त्रिपाठी ने बताया कि बतौर 'प्रोड्यूसर काम करने से उन्हें कहानी कहने के तरीके को एक नए नजरिए से समझने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, 'प्रोड्यूसर बनने के बाद कहानी कहने को लेकर मैं नजरिया बदल गया है। एक पक्षर के तौर पर आप किसी किस्तर और कहानी को पढ़ें पर जीवंत करने में पूरी तरह जुट रहते हैं।' उन्होंने कहा, 'प्रोड्यूसर के तौर पर आपको यह भी देखना होता है कि फिल्म बनने के बाद उसका सफर कैसे होगा, कौन लोग इसमें जुड़ सकते हैं और आप फिल्म को उसके दर्शकों तक पहुंचाने के लिए किसे तहत मिले काम सकते हैं। इन्टरेनेशनल फिल्म फेस्टिवल और मार्केट ऐसे लोगों के एक साथ लहते हैं, जो इन संभावनाओं को हकीकत में बदलने में मदद कर सकते हैं। अपनी पहली प्रोडक्शन को इन प्लेटफॉर्म पर पेश कर पाना मैंने लिए एक अहम कदम रहा है। फिल्ममेकर संजय नाथ के निर्देशन में बनी 'मुझे जान ना कहो मेरी जान' में तिलोत्तमा शोभा और खेत त्रिपाठी नजर आएंगे। यह एक क्वीर लव स्टोरी है, जिसमें प्यार और इंसानी रिश्ते को ईमानदारी और बारीकी से दिखावे की कोशिश की गई है। (एजेंसी)

लोडस मेकअप और शहनाज़ गिल का संगम, त्योहारों में खूबसूरती को मिलेगा नया अंदाज़



यह साझेदारी उस समय सामने आई, जब शहनाज गिल दिल्ली के लाजापत नगर में त्योहारों की खरीदारी के दौरान लोटस मेकअप से रुबरु हुई। यह ब्रांड के उच्च प्रदर्शन वाले मेकअप की अवधारणा को दर्शाता है, जिसमें सिक्नकेयर के गुणों का समावेश किया गया है राजधानी में त्योहारों की खरीदारी के दौरान उस समय खुशसूती का एक सांकेतिक संकेत के गिला, जब अभिनेत्री शहनाज गिल आगामी त्योहारों की तैयारी के लिए दिल्ली के लाजापत नगर में खरीदारी करने पहुंची और उनकी मुलाकात लोटस मेकअप से हुई। अपनी सहज और जमीन से जुड़ी शरियसता तथा भारतीय जड़ों से गहरे जुड़ाव के लिए पहचानी जाने वाली शहनाज, लोटस मेकअप की पहचान के साथ स्वाभाविक रूप से जुड़ती हैं। एक मेसेजमेंट आधुनिक भारतीयों के रूप में एथनिकता के व्यक्तित्व और अभिव्यक्ति का जहन मनाते हुए खुशसूती, बेहतर प्रदर्शन और सिक्नकेयर के गुणों को एक साथ लाता है। यह साझेदारी भारतीय पहचान और आधुनिक सोच पर आधारित समान दृष्टिकोण को दर्शाती है। आज जब फेस्टिव ब्यूटी व्यक्तित्व टाइडल की अभिव्यक्ति बढ़ रही है, ऐसे में लोटस मेकअप उच्च प्रदर्शन वाले 100% वीजान मेकअप के साथ सिक्नकेयर-आधारित फॉर्मूलेशन पर ध्यान देता है। इसे आधुनिक भारतीय महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो चाहती हैं कि उनका मेकअप केवल खुशसूती बनने का संकेत न रहे,

साथ स्वभाविक रूप से जुड़ती है। एक भरोसेमंद आधुनिक भारतीय डाक के रूप में लॉरेट सेमन अप्रत्याशित अनिर्णयित का जहन मनाते हुए घुमसुमती, बेहतर प्रदर्शन और स्थिरकर्म के गुणों को साथ साथ लाता है। यह साझेदारी भारतीय पत्रकार और आधुनिक सोच पर आधारित समान दृष्टिकोण को दर्शाती है। आज जब फेसबुक बंदी भारतीय स्टारलाइन ऑनलाइन पत्रकार नहीं है, ऐसे में लॉरेट सेमन अप्रत्याशित रूप से 100% जीवन संकेतक पर साथ सिंकनेशन-आधारित प्रदर्शन दे रहा करता है। इसे आधुनिक भारतीय महिलाओं की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है, जो घरेलू है कि उनका नेमअप केवल घुमसुमती बगले तक सीमित न रहे,

बालिक तथा की देखभाल के काम भी प्रदान करे। लेकअप मेकअप की मूल आवश्यकता 'मेकअप भी सिजनकेयर के गुणों का समावेश' (सिजनफिकेशन ऑफ मेकअप) है। सिजनकेयर के क्षेत्र में लेकअप की 30 वर्षों से अधिक की विरासत को आगे बढ़ते हुए, बॉस तथा की देखभाल में उपयोग होने वाले तत्वों और फॉर्मूलेशन की अग्रणी विशेषज्ञता को मेकअप की दुनिया में लेकर आया है। इसका परिणाम एक ऐसी उत्पन्न श्रृंखला के रूप में सामने आता है, जो रंग, कवरेज और लंबे समय तक टिकने वाले प्रभाव के साथ सिजनकेयर के गुणों को भी जोड़ती है। आकर्षक लिफ कर्लर्स से लेकर अंधी को स्यास अंजन देने वाले मेकअप तक, लेकअप मेकअप का उद्देश्य स्वस्थपत्ती और फिकनेडयार को

एक-दूसरे का पूरक बनाना है। इससे मेकअप केवल बाहरी रूप निष्कारण करने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि इससे फॉर्मोलेशियन में मौजूद स्किनकेयर लाभ भी इसका अहम हिस्सा बनते हैं। फेसिफर ब्यूटी के प्रति ब्रांड के सुटिकोण पर बात करते हुए, पूजा सिंह, जनरल मैनेजर - नॉर्सेटिन, ने कहा, 'लोडस मेकअप में हमारा मानना है कि मेकअप केवल एक लुक देकर इसने का माध्यम नहीं होना चाहिए, बल्कि इसमें बेहतर प्रदर्शन, आरामदायक अनुभव और स्किनकेयर के गुणों का जोड़ होना चाहिए। एक मरेजमेंट भारतीय महिला के रूप में, मेकअप में स्किनकेयर के गुणों को शामिल करने की हमारी सोच हम उस उत्पाद का आधार है, जिसे हम तैयार करते हैं। फिन्स सलूनदादा

सेबी ने शेयरों के बारे में फर्जी सुझाव देने वाले व्हाट्सएप समूहों को लेकर निवेशकों को किया आगाह

नई दिल्ली (एजेंसी)

सेबी ने बृहस्पतिवार को निवेशकों को फर्जी व्हाट्सऐप समूहों को लेकर आगाह किया। ऐसे समूह शेयरों में निवेश के नाम पर भरोसा जीतने के लिए झूठे समर्थन स्पदेश और मुनाफे के मनगढ़ंत दावे करते हैं, ताकि निवेशकों को उनके झांसे में आ जाए।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक बयान में कहा कि कुछ अपंजीकृत व्यक्ति मुम्बई निवेशक शिक्षा के नाम पर केवल आमंत्रण के जरिये जुड़ने वाले व्यापारियों को शैक्षणिक कार्यक्रमों में शामिल करने से रोकेंगे।



के साथ मिलकर काम करने वाले कुछ सदस्य मुनाफे के झूठे दावे करते हैं और कांथित 'विशेषज्ञ' की तारीफें जाते हैं। एग्स्ट्रेटफिंग के नाम से जानी जाने वाली यह गतिविधि वास्तविकी समर्थन का झूठ माहौल बनाती है और अनजान निवेशकों को इन सुझावों पर अमल करने के लिए प्रेरित करती है।'।

नियामक ने यह भी बताया कि प्रवर्तन एजेंसियों या नियामक संस्थाओं की

कारंवाई के बाद ऐसे समूह किस तरह काम करते हैं। सेबी ने कहा कि ऐसे समूहों के सदस्यों से अक्सर किसी भी औप नंबर से संपर्क किया जाता है और उन्हें दूसरे समूह से जुड़ने के लिए कहा जाता है।

संचालक दावा करते हैं कि सोशल मीडिया में की पाबंदियों के कारण पिछले समूह पर रोक लगा दी गई है। सेबी ने ऐसे ही एक संदेश का

उल्लेख किया, जिसमें कहा गया था,
 'निशान मॉडिआ में कंठ के जोड़िम
 शोषण उपयो के कारण हमार पिछ्ठा
 समूह बंद कर दिया गया है। यह नस्ल
 समूह रेजाना अच्छी गुणवत्ता वाले
 शेरों की जानकारी और कारोबार में
 संबंधी मार्गदर्शन देगा। कृपया समूह से
 जुड़ें।' निशानों को सावधानी बरतने
 की सलाह देते हुए सेबी ने कहा कि
 उन्हें अलग व्यक्तिगत या शेरों बाजार
 विशेषज्ञ होने का दावा करने वालों द्वारा
 संचालित ऐसे व्यापारिक समूहों से
 नहीं जुड़ना चाहिए, जिनमें शामिल
 होने के लिए आमंत्रण जरूरी हो।
 विशेष रूप से विदेशी नंबरों का
 इस्तेमाल करने वाले समूहों से सतर्क
 रहना चाहिए। निशानों को समूह के
 अन्य सदस्यों की ओर से की जाने
 वाली गृहित, मुनाफे के दावों या सोदों
 की पुष्टि करने संदर्भों से प्रभावित नहीं
 होने की भी सलाह दी गई।

भारत और पोलैंड रणनीतिक साझेदारी को संयुक्त उद्यमों में बदलना चाहिए : प्रधानमंत्री टस्क

बेंगलुरु (एजेन्सी)



को मजबूत करने और वैश्विक बाजारों तक उनकी पहुंच बनाने में मदद के लिए प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अधिक सहयोग का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री टस्क ने वैश्विक प्रौद्योगिकी और नवाचार केंद्र के रूप में बेंगलुरु की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा, 'यह जगह (बेंगलुरु) दिखाती है कि लोगों,

ज्ञान और उद्यमशीलता में निवेश किस
बल्लूत पूरा अर्थव्यवस्था की स्थिति
बल्लूत सकता है' आप्त 2024 में
प्रधानमंत्री मोदी की वारसा यात्रा के
प्रधान भारत और पोलैंड के संबंधों को
द्विपक्षीय साझेदारी के स्तर पर ले
जाने का जिक्र करते हुए टस्क ने कहा
कि कार्ययोजना में प्रौद्योगिकी सहयोग,
साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष क्षेत्र
शामिल थे। उन्होंने कहा, 'अन इन
प्रौद्योगिकीयों को संयुक्त उद्यमों में
बदलने का समय आ गया है।' टस्क
ने कहा कि सहयोग से दोनों
अर्थव्यवस्थाएं मजबूत होनी चाहिए।
असंख्य वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा
करने में मदद मिलनी चाहिए।

भारत में कारोबार का माहौल स्थिर और भरोसेमंद : पीयूष गोयल

बर्लिन (एजेन्सी)



यहां मौजूद और अन्य सभी लोगों के साथ भरोसा दिला सकता हूं कि भारत में निवेश करने, काम करने और कारोबार बढ़ाने के साथ-साथ बड़े कारोबारों को समूह खड़े करने वालों के साथ ऐसा नहीं होगा कि वे एक दिन अचानक गायब हो जाएं और फिर जापान के

किसी विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के रूप में सामने आए।' मंत्री ने किसी का नाम नहीं लिया। हालाँकि, उनकी यह टिप्पणी अलीबाबा के सह-संस्थापक जैक मा के संदर्भ में थी। खबरों के मुताबिक, चीन के वित्तीय नियामकों की आलोचना करने के बाद जैक मा

2020 में कई महीनों तक सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आए थे। बाद में उन्हें तोक्वो विश्वविद्यालय से संबद्ध तोक्वो कॉलेज में अतिथि प्रोफेसर नियुक्त किया गया था। गोयल ने यह भी कहा कि भारत ने 38 देशों के साथ नौ मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए)

इजराइल, खाड़ी सहयोग परिषद, मेक्सिको, दक्षिणी अफ्रीकी सीमा, शुल्क संघ, ब्राजील के नेतृत्व वाले मर्कोसुर और रूस के नेतृत्व वाले यूरेशिया सहित कई देशों और समूहों के साथ मुक्त व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है।